RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 233 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 12 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

जस्टिस वर्मा के खिलाफ 'महाभियोग' प्रस्ताव पर एक्शन तेज

लोकसभा स्पीकर ने प्रस्ताव किया मंजूर, 3 सदस्यीय कमेटी का गठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश एट होम केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के महाभियोग प्रस्ताव पर कार्रवाई तेज हो गई है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संसद में मंगलवार को तीन सदस्यीय कमेटी के गठन का ऐलान किया, जो इस मामले की जांच करेगी। इस कमेटी में एक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज और एक वरिष्ठ वकील शामिल किए गए हैं।

लोकसभा स्पीकर द्वारा बनाई गई कमेटी में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अरविंद कुमार, मद्रास हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस मनिंदर मोहन और वरिष्ठ वकील बीवी आचार्य को शामिल किया गया है। कमेटी जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की जांच करेगी और एक रिपोर्ट तैयार कर लोकसभा स्पीकर को सौंपेगी. फिर उस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्पीकर ओम बिड़ला ने बताया कि उन्हें बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता समेत कुल 146 सदस्यों के हस्ताक्षर के साथ 31 जुलाई को प्रस्ताव सौंपा गया था। इस प्रस्ताव में जस्टिस वर्मा को पद से हटाने की सिफारिश की गई है। ओम बिरला ने सदन में जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों का भी जिक्र किया और कहा कि जांच कमेटी को जल्द काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

जस्टिस वर्मा को भ्रष्टाचार के आरोपों में पद से हटाने का प्रस्ताव तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भेजा था। जुलाई में लोकसभा में उन्हें पद से हटाने के लिए महाभियोग के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। स्पीकर ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। जस्टिस वर्मा पर लगे आरोप गंभीर हैं और संसद को एक सुर में इन आरोपों को लेकर खड़े होना चाहिए।

"स्पीकर ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। जस्टिस वर्मा पर लगे आरोप गंभीर हैं और संसद को एक सुर में इन आरोपों को लेकर खड़े होना चाहिए।"

-स्पीकर ओम बिड़ला

सुप्रीम कोर्ट से लगा था जस्टिस वर्मा को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने इन-हाउस जांच रिपोर्ट को चुनौती दी थी. इस रिपोर्ट में उनके पद से हटाने की सिफारिश की गई थी. मामला उस समय सुर्खियों में आया था जब इस साल की शुरुआत में जस्टिस वर्मा के आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा कि इन-हाउस कमेटी का गठन और जांच प्रक्रिया में कोई गैरकानूनी पहलू नहीं पाया गया. कोर्ट ने साफ किया कि कमेटी की कार्यवाही संविधान के दायरे में रही है।

ट्रंप ने दी गुड न्यूज, गोल्ड पर नहीं लगेगा टैरिफ

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारत और ब्राजील समेत कई देशों पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का फरमान सुनाया था। ट्रंप के आदेश के बाद से ही सोने के आयात पर सस्पेंस बना था। वहीं, ट्रंप ने साफ कर दिया है कि गोल्ड को टैरिफ वॉर से बाहर रखा जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि सोने पर टैरिफ नहीं लगेगा।

पिछले एक हफ्ते से कयास लगाए जा रहे थे कि सोने पर टैरिफ लगेगा या नहीं। कस्टम और सीमा सुरक्षा विभाग ने भी सोने पर भारी टैरिफ लगने का अंदेशा जताया था। सोने पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगने की अफवाहों से इसकी कीमतों में भारी उछाल देखने को मिल रहा था।

ग्रेटर नोएडा के तालड़ा गाँव में चला 'बाबा का बुल्डोजर'

50 हजार वर्गमीटर से हटाया अतिक्रमण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की बेशकीमती जमीन पर कब्जा कर रहे भू-माफियाओं के खिलाफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने मंगलवार को कड़ी कार्यवाही करते हुए गांव तालड़ा में करोड़ों रूपये की जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटा दिया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कार्यवाही करते हुए लगभग 50 हजार वर्गमीटर जमीन को खाली कराया है।

ग्रेटर नोएडा के वर्क सर्कल-8 के अन्तर्गत गाँव तालड़ा में आज अतिक्रमण हटाया गया। प्राधिकरण ने कार्यवाही करते करीब 50 हजार वर्ग मीटर अधिसूचित एरिया को खाली कराया गया। इस दौरान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएडी रामनयन सिंह, जीएम ए.के. सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह, नरोत्तम सिंह, रतिक, प्रभात शंकर, प्रबंधक राकेश बाबू ,स्वतंत्र वर्मा, मिथलेश कुमार, बृजेन्द्र कुशवाह,सहायक प्रबंधक डीपी श्रीवास्तव, रामकिशन तथा समस्त वर्क सर्कल के तकनीकी व फ़ील्ड सुपरवाइज़र, के साथ स्थानीय पुलिस के सहयोग से योजनाबद्ध तरीक़े से अभियान चला कर हटाया गया।

प्राधिकरण द्वारा की गई कार्यवाही के दौरान यहां बनाए गए अवैध निर्माण को बुल्डोजर से उखाड़ दिया गया। भू-माफियाओं ने बाकायदा रोड़ बनाकर सीवर लाइन डाली हुई थी।

तलाक दिए बिना कर ली दूसरी शादी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ बिना तलाक दिए दूसरी शादी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। महिला ने करीब 6 वर्ष पूर्व अपने पति के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट व घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया था। आमका गांव निवासी राधिका (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका विवाह 5 दिसंबर 2011 को संतराज के साथ हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही उसका पति उसके साथ क्रूर व्यवहार करने लगा। उस पर मायके से दहेज लाने का भी दबाव बनाया जाता था। छोटी-छोटी बातों पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। पति की हरकतों से परेशान होकर उसने उसके खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, जान से मारने की धमकी तथा घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। राधिका के मुताबिक हाल ही में उसे पता चला कि उसके पति संतराज ने बिना तलाक लिए गाजियाबाद की एक लड़की से शादी कर ली है। इस बारे में जब उसने अपने पति से पूछा तो उसने उसे (शेष पृष्ठ-3 पर)

वसूली के लिए महिला के साथ बर्बरता, कपड़े फाड़े

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में असामाजिक तत्व द्वारा अवैध वसूली के लिए दहशत फैलाने के लिए एक महिला के साथ बर्बरता करने की घटना सामने आई है। असामाजिक तत्वों ने महिला के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की और उसके साथ बलात्कार का प्रयास किया। थाने में भी महिला की सुनवाई नहीं हुई इसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के निर्देश के बाद 5 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेक्टर-93 में रहने वाली रोमा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके घर के पास ही उसके पिता व अन्य परिजन भी रह रहे हैं। अपराधिक किस्म के व्यक्ति कमरुद्दीन, राहुल, मनोज, नितेश व अखिलेश गांव के गरीब लोगों से चौथ मांगते हैं। आपराधिक किस्म के इन लोगों ने उसके परिजनों को भय दिखाकर उनसे एक लाख रुपए वसूल कर लिए। पीड़िता के मुताबिक 13 मार्च 2024 की सुबह उसके माता-पिता काम पर तथा उसका पति बाजार गया हुआ था। इस दौरान उसे अकेला देखकर पांचों आरोपी उसके घर में घुस आए और उससे चौथ के रूप में 5 हजार रुपए मांगने लगे। उसने जब पैसे देने से इंकार किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली गलौज एवं मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने उसके साथ अश्लील हरकतें (शेष पृष्ठ-3 पर)

दूध विक्रेता सड़क हादसे में घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के सेक्टर-12 में निर्माणाधीन निराला प्रोजेक्ट के पास तेज गति में आ रही कार ने बाइक सवार दूध विक्रेता को टक्कर मार दी। दूधिया की बाइक कार में फंस गई और वह काफी दूर तक घिसटता चला गया। इस हादसे में दूध विक्रेता को गंभीर चोट आई है।

ग्राम सैनी निवासी देवेंद्र सिंह दूध की सप्लाई का काम करता है। 10 अगस्त को वह अपनी बाइक से दूध की सप्लाई देकर वापस अपने घर सैनी गांव जा रहा था। रात्रि करीब 9 बजे जब वह सेक्टर-12 स्थित निर्माणाधीन निराला प्रोजेक्ट के पास पहुंचा तो तेज गति में आ रही कार के चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से देवेंद्र की बाइक कार के अगले पहिए में फंस गई। इसके बावजूद भी कार चालक नहीं रुका और कार को तेज गति में भगाता हुआ ले गया। कुछ दूरी पर जाकर देवेंद्र सिंह बाइक से सड़क पर गिर गया। कार चालक उसकी बाइक को घसीटते हुए मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद (शेष पृष्ठ-3 पर)

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की एक स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। सेक्टर-62 के पास बाइक पर आ रहे दो व्यक्ति पुलिस को चैकिंग करता देखकर मुड़कर भगाने का प्रयास करने लगे। जल्दबाजी में बाइक स्लिप होकर गिर गई जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में पकड़े गए युवकों ने अपना नाम रिहान पुत्र रियासुद्दीन निवासी प्रताप विहार व जितेंद्र पुत्र वीरपाल निवासी प्रताप विहार खोड़ा गाजियाबाद बताया। तलाशी में उनके पास से चाकू भी बरामद हुआ। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ड्राइवर और हेल्पर को कैंटर ने कुचला

सड़क हादसों में चार लोगों की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में बस के ड्राइवर, हेल्पर सहित चार की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

राजपुरा जनपद संभल का रहने वाला गुड्डू सिंह बस ड्राइवर था। 9 अगस्त की रात्रि को गुड्डू सिंह हेल्पर हेमराज के साथ गाजियाबाद से बस लेकर संभल जा रहा था। एमपी पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर दादरी कट के पास बस में खराबी आ गई जिस पर उसने उसे सड़क किनारे खड़ा कर दिया और पार्किंग लाइट जला दी। गुड्डू सिंह हेल्पर हेमराज के साथ बस के पीछे खड़े होकर टोर्च की लाइट से बस में खराबी चेक कर रहा था पीछे से तेज गति में आ रहे आईशर कैंटर का चालक संतुलन खो बैठा और उसने बस में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गुड्डू सिंह व हेल्पर हेमराज की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आईशर कैंटर चालक मौके से फरार हो गया। बस में बैठे गुड्डू सिंह के भाई शिव कुमार ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची थाना दादरी पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इस संबंध में मृतक गुड्डू के भाई रामपाल ने थाना दादरी में आईश्र कैंटर (शेष पृष्ठ-3 पर)

भिड़ गए दो दुकानदार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के हरिश्चंद्र के बाग के पास दुकान के बाहर से कूड़ा हटाने को लेकर दो दुकानदारों में विवाद हो गया। एक दुकानदार ने दूसरे दुकानदार के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। मूल रूप से भूड़ गढ़ी गाजियाबाद के रहने वाले सिराज ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी हरिश्चंद्र बाग के पास बेल्डिंग की दुकान है। उसकी दुकान के बराबर में ही आबिद शीशे की दुकान चलाता है। आबिद ने दुकान के बाहर पड़े कूड़े को लेकर उससे वाद-विवाद शुरू कर दिया। वह दुकान के बाहर से कूड़ा उठा रहा था उसके बावजूद भी आबिद ने उसके साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर आबिद ने उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित के मुताबिक आएदिन उसे जान से मारने की भी धमकी देता है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मुठभेड़ में घायल हुआ शातिर बदमाश

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद में एक दर्जन से ज्यादा मुकदमों में वांछित बदमाश को थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान बदमाश का एक साथी भी गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया है।

सहायक पुलिस आयुक्त वेवसिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल ने बताया कि थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस टीम द्वारा चिपियाना अंडरपास के नीचे बैरियर लगाकर चेकिंग की जा रही थी। तभी मुखबिर की सूचना से पता चला कि एक बिना नंबर प्लेट की पैशन प्रो बाइक पर सवार होकर दो व्यक्ति एक घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। इस सूचना पर क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस टीम द्वारा एक और चेकिंग पॉइंट एबीईएस कॉलेज के सामने लगा दिया गया। जब दो संदिग्ध बाइक सवार व्यक्तियों को आता देख रुकने का इशारा किया गया तो उनके द्वारा रुकने की बजाय अपनी बाइक को तेज गति से भगाते हुए एबीईएस की तरफ मोड़ लिया। एबीईएस के सामने भी पुलिस टीम खड़ी देख बदमाशों ने एबीएस की साइट से जो कच्चा रास्ता जा रहा है उस पर अपनी बाइक मोड ली और उसकी तरफ भागने की कोशिश की। बारिश का मौसम होने के कारण उनकी बाइक फिसल गई तभी बदमाशों ने पुलिस टीम के ऊपर गोली चला दी। पुलिस टीम ने गोली चलाई तो उसमें से एक व्यक्ति वकील उर्फ रिजवान के पैर में गोली लग गई। पूछताछ करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि इनके विरुद्ध एक दर्जन से (शेष पृष्ठ-3 पर)

लूटी गई कैब से अपहरण की साजिश मुठभेड़ में बदमाश हुआ लंगड़ा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। नोएडा से बुक कराकर लूटी गई कैब से एक व्यक्ति के अपहरण की साजिश को गाजियाबाद की निवाड़ी पुलिस ने असफल कर दिया है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान कैब लूटने वाले बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक थाना निवाडी में रिजवान पुत्र इकबाल निवासी सिकन्द्राबाद बुलन्दशहर द्वारा कैब/ कार लूटने की एफआईआर दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट में रिजवान ने बताया कि उसका भाई जाकिर अपनी ओला कार वैगनआर नं0 UP 16QT 5094 को लेकर बुकिंग में गया था। 3 अज्ञात बदमाशों द्वारा उसके भाई के साथ मारपीट कर छोटे हरिद्वार के पास (गंगनहर मुरादनगर) से वैगनआर कार व उसके मोबाइल फोन लूटकर ले गये है।

थाना निवाडी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर घटना में शामिल बदमाश अभय पुत्र विरेन्द्र निवासी ग्राम सुत्याना चौकी कुलेसरा के सामने थाना ईकोटेक 3 कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर को डिडौली गंगनहर पुल पटरी पर मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 1 जिन्दा कारतूस, 1 खोखा कारतूस 315 बोर व घटना में लूटी गयी कार वैगनआर नं0 UP 16QT 5094 एवं जाकिर का आधार कार्ड व खून लगा एक रुमाल तथा घटना में प्रयुक्त एक किचन चाकू बरामद किया है। मौके से दो बदमाश फरार हो गये हैं। गिरफ्तार बदमाश अभय ने बताया कि 8 जुलाई को वह अपने साथी आदित्य राणा पुत्र दिनेश राणा निवासी सपनावत ठाकुर थाना कपूरपुर जनपद हापुड व कुणाल पंवार पुत्र दीपक पंवार निवासी संजयनगर थाना मधुबन बापूधाम गाजियाबाद के साथ मिलकर नोएडा से वैगनआर कार बुकिंग कर लाये थे जिसे छोटा हरिद्वार के पास गंगनहर पर चालक पर चाकू से हमला कर चालक के मोबाइल फोन, पर्स/ नगदी व कार को लूटकर ले गये थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

आकलपुर में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाएंगे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर के आकलपुर म्याना गांव स्थित छेदी सिंह इंटर कॉलेज में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्कूल परिसर में ध्वजारोहण के बाद छात्र-छात्राओं द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

कॉलेज के प्रधानाचार्य ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्कूल परिसर में प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। ध्वजारोहण के पश्चात छात्र एवं प्रबंध समिति के प्रमुख सदस्यों द्वारा छात्रों को स्वतंत्रता दिवस की महत्ता तथा वीर जवानों के बलिदानों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके पश्चात कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात छात्र-छात्राओं में मिष्ठान का वितरण भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर विद्यालय में पहले से ही तैयारी चल रही है। प्रधानाचार्य ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया जाता है।

सैलाब की भयावहता

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित धराली में आई आपदा ने देश-दुनिया को गहरे तक आहत किया है। मलबे और बाढ़ के पानी के सैलाब ने जिस तरह घरों, होटलों व बगीचों तथा खेत-खलिहानों को तबाह किया, उसने आम लोगों को भयभीत किया। पहाड़ की भौगोलिक जटिलताओं व बचाव के संसाधन पहुंचाने में देरी से राहत कार्य बाधित हुआ है। निस्संदेह, हादसे से जुड़ा पहलू यह भी है कि तंत्र की अनदेखी व खीरगंगा के विस्तार क्षेत्र की आशंकाओं को नजरअंदाज करके जो निर्माण किया गया, वह सैलाब की जद में आया। सवाल यह है कि वे कौन से कारण थे कि बेहद तीव्र वेग से आये सैलाब ने लोगों को भागने तक का मौका नहीं दिया। हालांकि, मरने वालों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आयी है, लेकिन सैलाब की भयावहता को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि जनधन की बड़ी हानि हुई होगी। असली सवाल यह है कि ये आपदा कैसे आयी। आजकल ऐसे हादसों की साधारण व्याख्या होती है कि हादसा बादल फटने से हुआ। लेकिन धराली में आपदा की वजह बादल फटना मानने को वैज्ञानिक तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिक इस वजह से बादल फटने के तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार 4-5 अगस्त को उस क्षेत्र में महज आठ से दस मिमी बारिश ही हुई थी। वैज्ञानिक मानक के अनुसार बादल फटने की घटना तब होती है जब उस इलाके में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई हो। दरअसल, धराली गांव के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। दोनों तरफ ऊंचे व तीव्र ढलान वाले पहाड़ हैं। जिस खीरगंगा में फ्लैश फ्लड आया है, वो उन्हीं घने जंगलों से होकर गुजरती है। वैज्ञानिक एक तर्क पर विचार कर रहे हैं कि कहीं घने जंगलों वाले इलाके में भूस्खलन की वजह से पानी का प्रवाह रुक गया होगा, जिसके बाद अस्थाई झील टूटने से आपदा आई होगी। दरअसल, इस जल प्रलय की जद में आने वाला क्षेत्र फ्लड प्लेन इलाके में बसा है। उसके ऊपर के इलाके में बर्फीले पर्वत बताए जाते हैं। यह हकीकत है कि धराली और उसके आस-पास बेहद संकरी घाटी और ऊंचे पहाड़ हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि बादल फटने के बाद आने वाला जल प्रवाह इतना तेज नहीं होता। पहले इसकी गति धीमी होती है, कालांतर में गति तेज हो जाती है। इसी वजह से वैज्ञानिक तूफानी गति से पानी-मलबा आने की वजह अस्थायी झील का टूटना बता रहे हैं। भूस्खलन या ग्लेशियर टूटने से झील का पानी सैलाब में बदल गया। इस आशंका को मानने की एक वजह यह भी है कि आपदा वाले दिन जो पानी नीचे आया वह काले रंग का था। साथ मलबा स्लेटी रंग का था। तर्क है कि ऐसा काला पानी व स्लेटी रंग का मलबा पहले से जमा हुए स्थान के टूटने के बाद ही आता है। ऐसी ही स्थिति वर्ष 2021 में चमोली जनपद के ऋषिगंगा हादसे के दौरान एक अस्थायी झील टूटने के बाद जमा मलबे के बहकर आने के वक्त देखी गई थी। दरअसल, वैज्ञानिक पहले भी आशंका जताते रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते बढ़ते तापमान की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पिघली बर्फ के पानी से बनी झीलें कालांतर भूस्खलन या बादल फटने के बाद टूट जाती हैं और सैलाब तेज ढलान पर उतरकर तबाही लाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 की केदार घाटी में आई आपदा भी चोराबारी झील के टूटने से निकले सैलाब की वजह से हुई थी। दूसरी विडंबना यह भी है कि ग्लोबल वार्मिंग व बढ़ते तापमान की वजह से ऊंचे पहाड़ों में बारिश की प्रकृति में कुछ वर्षों से बदलाव आया है। सामान्यत: तीन चार हजार मीटर की ऊंचाई पर पहले बर्फबारी होती थी, बारिश नहीं। लेकिन अब लगातार होती बारिश से ग्लेशियर टूट रहे हैं। जो कालांतर अस्थायी झील पर गिरते हैं तो झील का पानी पहाड़ों के तीव्र ढलान पर तेजी से बहता है। जब उसके साथ मलबा, पत्थर व मिट्टी मिल जाती है तो उसकी धार मारक हो जाती है। बहरहाल, वास्तविक स्थिति सेटेलाइट इमेज से ही स्पष्ट हो पाएगी।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि एक बार माता ने श्री रामचन्द्रजी को स्नान कराया और श्रृंगार करके पालने पर पौढ़ा दिया। फिर अपने कुल के इष्टदेव भगवान की पूजा के लिए स्नान किया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

करि पूजा नैबेद्य चढ़ावा। आपु गई जहँ पाक बनावा॥
बहुरि मातु तहवाँ चलि आई। भोजन करत देख सुत जाई॥

पूजा करके नैवेद्य चढ़ाया और स्वयं वहाँ गईं, जहाँ रसोई बनाई गई थी। फिर माता वहीं (पूजा के स्थान में) लौट आई और वहाँ आने पर पुत्र को (इष्टदेव भगवान के लिए चढ़ाए हुए नैवेद्य का) भोजन करते देखा॥

गै जननी सिसु पहिं भयभीता। देखा बाल तहाँ पुनि सूता॥
बहुरि आइ देखा सुत सोई। हृदयँ कंप मन धीर न होई॥

माता भयभीत होकर (पालने में सोया था, यहाँ किसने लाकर बैठा दिया, इस बात से डरकर) पुत्र के पास गई, तो वहाँ बालक को सोया हुआ देखा। फिर (पूजा स्थान में लौटकर) देखा कि वही पुत्र वहाँ (भोजन कर रहा) है। उनके हृदय में कम्प होने लगा और मन को धीरज नहीं होता॥

इहाँ उहाँ दुइ बालक देखा। मतिभ्रम मोर कि आन बिसेषा॥
देखि राम जननी अकुलानी। प्रभु हँसि दीन्ह मधुर मुसुकानी॥

(वह सोचने लगी कि) यहाँ और वहाँ मैंने दो बालक देखे। यह मेरी बुद्धि का भ्रम है या और कोई विशेष कारण है? प्रभु श्री रामचन्द्रजी माता को घबड़ाई हुई देखकर मधुर मुस्कान से हँस दिए॥

(क्रमशः...)

भारत की नई बुलंद तस्वीर : झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए!

दुनिया के आर्थिक और सैन्य मंच पर तेजी से कद्दावर बन चुके गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस को साधकर नम्बर वन अमेरिका और नम्बर टू चीन को रणनीतिक मुश्किल में डालते हुए भींगी बिल्ली बना दिया है। इससे समकालीन विश्व के जी-7, नाटो, जी-20, ब्रिक्स और एससीओ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में ग्लोबल साउथ की पूछ-परख बढ़ गई है, क्योंकि इनका अगुवा अब भारत बन चुका है।

जानकार बताते हैं कि अमेरिकी दांवपेंचों और चीनी पैंतरों से आजिज आ चुके इन ग्लोबल साउथ के देशों को भारत की सदाशयी नीतियों से जो नीतिगत राहत और वैश्विक सहयोग मिला है, वह इनकी प्राथमिक जरूरत भी है। चूंकि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत सबसे तेज़ इकॉनमी बन चुका है, मजबूत सैन्य ताकत के रूप में छा चुका है, इसलिए भारत की मुखालफत दुनियावी थानेदारों को भी भारी पड़ सकती है।

यह ठीक है कि सीजफायर और टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों-आरोपों का भारत ने अभी तक जो भी जवाब दिया, उसमें भाषा विनम्र और सांकेतिक रखी गई। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से। लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गत दिनों जो ठोक-पीटकर जोशीला राजपूती बयान दिया है, इसके कूटनीतिक और राजनीतिक मायने में बिल्कुल अलग और अहम हैं। ऐसा इसलिए कि ट्रंप का नाम भी उन्होंने नहीं लिया, लेकिन इस बार जवाब ज्यादा सख्त था।

रक्षा मंत्री सिंह के तल्खी भरे बयान यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब भारत अपने राष्टीय, मित्रगत और पड़ोसी हितों से कोई समझौता नही करेगा और जो इस रास्ते में अड़चनें पैदा करने की कोशिश करेगा, या वैसी ताकतों को शह देगा, उससे सख्ती पूर्वक ही निपटा जाएगा। इस बार सीजफायर वाली हड़बड़ाहट भी नहीं दिखाई जाएगी। इसलिए अब कोई भी बातचीत बराबरी के स्तर पर ही होनी चाहिए। वो भी अमेरिका-चीन जैसे देशों के साथ अनिवार्य तौर पर। लिहाजा, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने ठीक ही कहा है कि नया भारत शेर की तरह दहाड़ता है। शक्तिशाली नेताओं की आंखों में देखकर बात करता है।

उल्लेखनीय है कि भारत के साथ अपने मनमाफिक डील करने में नाकाम रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत की इकॉनमी को ही डेड बताया था। इसलिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनकी इसी निकृष्ट मानसिकता का दबंग अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे दबंग और गतिशील अर्थव्यवस्था करार दिया। जबकि सबके बॉस तो हम है का भाव रखने वाले कुछ

देशों को भारत का तेजी से विकास रास नहीं आ रहा है। समझा जाता है कि भारत से होने वाले आयात पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैक्स लगाए जाने के बाद उनका यह बयान सामने आया है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि ऐसी कोशिश की जा रही है कि हमारी चीजें बाहर महंगी हो जाएं। फिर भी कोई ताकत दुनिया की बड़ी शक्ति बनने से भारत को नहीं रोक सकती है। तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था अगर किसी देश की है तो वह हमारे भारत की है। अब भारत 24000 करोड़ का रक्षा उत्पाद दुनिया को निर्यात कर रहा है। अब हमने भी ठान लिया है कि आतंकियों को उनके धर्म देखकर नहीं, बल्कि उनका कर्म देखकर मारेंगे। जो हमें छेड़ेगा, उसे छोड़ेंगे नहीं।

यह महज संयोग नहीं कि रविवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश की अर्थव्यवस्था पर बात की और भारत की अर्थव्यवस्था के तेज रफ्तार के बारे में संकेत देते हुए साफ कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह गति सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से हासिल की गई है। पिछले 11 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर पहले शीर्ष पांच में पहुंच गई है और अब तेजी से शीर्ष चार से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साधने के कुछ दिन बाद पीएम की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम ने यहां तक कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे भारतीय टेक्नॉलजी और मेक इन इंडिया का हाथ था। उसने कुछ ही घण्टों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते ही भारत की जीडीपी ग्रोथ का 2025-26 के लिए अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा, जबकि दुनिया की बाकी इकॉनमी की ग्रोथ के लिए यह अनुमान तकरीबन 3 फीसदी ही है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के डेटा बताते हैं कि 2024 में भारत ने ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में लगभग 17 प्रतिशत का योगदान दिया और अगले 5 साल में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इस तरह से कोरोना महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने सबसे शानदार रिकवरी की और दुनियावी युद्धों व वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी वह बढ़त बनाए हुए है।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय विकसित अर्थव्यवस्था की हकीकत यह है कि खुद अमेरिका की अर्थव्यवस्था इस समय संकट के दौर में गुजर रही है। वहां पर ट्रंप की अव्यवहारिक नीतियों के चलते महंगाई दर बढ़ने का डर है, जिससे आर्थिक विकास दर पर बुरा असर होगा। ऐसा अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का भी मानना है। समझा जाता है कि ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण अगर अमेरिका में मंदी के हालात बनते हैं, तो इसका असर दूसरे मुल्कों पर भी होगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि ट्रेड और टैरिफ पर ट्रंप का सख्त रुख किसी के लिए भी सही नहीं है। अब तो इसे टैरिफ टेरर या टैरिफ फतवा तक करार दिया जाने लगा है।आखिरकार इस बढ़े टैक्स की कीमत अमेरिकियों को ही चुकानी पड़ेगी। ऐसे में बेहतर है कि समाधान बातचीत से निकाला जाए। लेकिन, वह बातचीत एकतरफा और अपनी मर्जी थोपने वाली नहीं हो सकती। इसलिए अपनी ग्रोथ को बनाए रखने के लिए भारत की एनर्जी संबंधी जरूरतें अमेरिका से बिल्कुल अलग है। इसी तरह, विशाल किसान व पशुपालक आबादी को लेकर भी भारत की कुछ स्वाभाविक चिताएं हैं। लिहाजा किसी भी समझौते में इन पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। उनका संकेत पीएम मोदी, एचएम शाह और डीएम सिंह के सख्ती भरे फैसलों व बयानों की तरफ था, जिन्होंने रविवार को धूम मचा दिया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नागपुर में ठीक ही कहा कि आज दुनिया में जो देश दादागिरी कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योकि वे आर्थिक रूप से मजबूत हैं और उनके पास उन्नत तकनीक है। फिर भी उन्होंने चुटकी भरे अंदाज में कहा कि, दुनिया झुकती है बस झुकाने वाला चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत को अपनी निर्यात बढ़ानी होगी और आयात घटाने होंगे। अगर हमारी अर्थव्यवस्था और निर्यात की दर बढ़ेगी, तो हमें किसी के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा, जिनके पास अच्छी तकनीक और संसाधन हैं, वही दबदबा दिखा रहे हैं। अगर हमारे पास भी यह सब होगा, तो हम किसी पर जुल्म नहीं करेंगे, क्योंकि हमारी संस्कृति दुनिया के कल्याण की सोच रखती है।

उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की कई समस्याओं का हल विज्ञान और तकनीक है, और यह ज्ञान ही शक्ति है। अगर भारत को विश्वगुरु बनना है तो हमें निर्यात बढ़ाना और आयात कम करना होगा। गडकरी ने सुझाव दिया कि शोध संस्थान, आईआईटीज और इंजिनियरिंग कॉलेज देश की जरूरतों को ध्यान में रखकर शोध करें, हालांकि अन्य क्षेत्रों में भी शोध जरूरी है।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

टकराव की राजनीति से कमजोर होगा शासन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ठान लिया है कि हर हाल में केंद्र सरकार और स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं का विरोध करना है। सीमा संबंधी विवादों में जिस तरह पाकिस्तान और चीन से भारत का टकराव रहता है, ठीक ऐसी ही हालत ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की हो गई है। ममता का बस चले तो अदालतों के निर्णयों को भी नहीं माने, किंतु अवमानना के भय से मानना मजबूरी बन गई है। विवादों की इसी श्रृंखला में केंद्रीय चुनाव आयोग से टकराव की एक कड़ी ओर जुड़ गई है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के निर्देश पर चार अफसरों को निलंबित करने से इंकार कर दिया। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने में कथित चूक को लेकर राज्य सरकार के चार अधिकारियों और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर को निलंबित करने का निर्देश दिया था। ममता ने चुनाव आयोग के इस कदम की वैधता पर सवाल उठाया और आयोग पर भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम उन्हें निलंबित नहीं करेंगे। ममता ने निर्वाचन आयोग को भाजपा का बंधुआ मजदूर करार देते हुए कहा कि वे अमित शाह और बीजेपी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। चुनाव आयोग से इस टकराव से कुछ दिनों पहले अवैध बांग्लादेशियों की शिनाख्त और उन्हें वापस भेजे जाने के मुद्दे को लेकर भी ममता सरकार ने इसी तरह का रुख अख्तियार किया था। अल्पसंख्यक वोट बैंक को हर हाल में अपनी तरफ रखने के प्रयासों के तहत ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के मुद्दे पर दिल्ली पुलिस की तरफ से भेजे गए पत्र में भाषा और शब्दों पर आपत्ति जताई थी। दिल्ली पुलिस ने वैध दस्तावेजों के बगैर भारत रह रहे 8 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के संबंध में बंग भवन के कार्यालय प्रभारी को एक पत्र लिखा था। ममता बांग्लादेशी शब्द लिखने पर भडक़ गई। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार को बंगाल विरोधी तक करार दे दिया। इस पर भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने ममता बनर्जी को भाषाई संघर्ष भडक़ाने के लिए, शायद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत भी जवाबदेह ठहराया।

वोट बैंक के लिए ममता बनर्जी की तुष्टिकरण का ही परिणाम है कि मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भडक़ गई थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय एजेंसियों और स्वायत्तशाषी संस्थाओं से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के टकराव की फेहरिस्त काफी लंबी है। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के डायमंड हार्बर में हुए रोड शो के दौरान पथराव और हमले में सुरक्षा चूक को लेकर पश्चिम बंगाल डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी से जवाब तलब किया था। राज्य सरकार ने कोरोना का हवाला देकर दोनों अधिकारियों को भेजने से इंकार कर दिया। इससे पहले केंद्र ने जेपी नड्डा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे तीन आईपीएस अधिकारियों को डेप्युटेशन पर भेजने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में पहले से ही आईपीएस अधिकारियों की संख्या काफी कम है। ऐसे में तीन अधिकारियों को डेप्युटेशन पर भेजना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अम्फान तूफान प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के दौरान प्रोटोकाल की परवाह किए बगैर ममता बनर्जी बैठक में शामिल नहीं हुई। देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब सबसे बड़ी जांच एजेंसी के पांच अधिकारियों को राज्य की पुलिस ने हिरासत में ले लिया। शारदा चिट फंड घोटाले की जांच कर रही सीबीआई टीम कलकत्ता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के घर पहुंची। पुलिस कमिश्नर के घर पर तैनात गार्ड ने सीबीआई टीम को अंदर आने से रोक दिया। पुलिस सीबीआई के रिजनल दफ्तर पहुंची। पुलिस ने सीबीआई के पांच अधिकारियों को हिरासत में भी ले लिया। सीबीआई की कार्रवाई के विरोध में ममता बनर्जी मेट्रो चैनल के पास धरने पर बैठ गईं। देश में संवैधानिक ढांचे का ऐसा मजाक शायद ही किसी राज्य में उड़ाया गया हो, जहां भारतीय सिविल सेवा का अधिकारी धरने पर शामिल हुआ हो। सिविल सेवा के अधिकारी होते हुए कलकत्ता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार अपने घर से बाहर निकले और ममता बनर्जी के साथ धरने पर बैठे। कई जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंके गए और हावड़ा-हुगली में ट्रेन को रोक दिया गया। इसके अलावा देश में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के संबंधों में कटुता की पश्चिमी बंगाल में सारी हदें पार हो गई। विधानसभा के वर्षाकालीन अधिवेशन के दौरान राज्यपाल रहे जगदीप धनखड़ ने अभिभाषण के मसौदे में से कुछ हिस्सों को बदलने की मांग की। लेकिन सरकार ने इससे साफ इंकार कर दिया। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने राज्यपाल धनखड़ पर जैन हवाला मामले में शामिल होने और हरियाणा में विवेकाधीन कोटे से जमीन का अवैध आबंटन कराने के मामले में शामिल होने का आरोप लगाया।

राजभवन में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में राज्यपाल ने ममता के इस आरोप को निराधार करार दिया। राज्यपाल धनखड़ और ममता सरकार के बीच अभिभाषण पर भी विवाद बढ़ गया। देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहले कभी किसी भी राज्य की सरकार ने नहीं किया, जो ममता ने वैधानिक परंपराओं को तिलांजलि देते हुए कर दिखाया। सरकार ने अभिभाषण का मसौदा राजभवन भेजा। लेकिन राज्यपाल धनखड़ ने यह कहते हुए इसमें बदलाव की मांग की कि इसमें लिखी बातों और जमीनी हकीकत में भारी अंतर है। लेकिन उसके बाद ममता बनर्जी ने फोन पर राज्यपाल को बताया कि अब इसमें बदलाव संभव नहीं है। राज्य मंत्रिमंडल ने इस अभिभाषण को अनुमोदित कर दिया। राज्यपाल जगदीप धनखड़ पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा को लेकर ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर लगातार हमलावर मुद्रा में रहे।

योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष, तृतीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अनाप-शनाप खर्चो होंगे। अज्ञात भय सताएगा। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा संभव है। प्रेम-संतान की स्थिति ठीक है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
यात्रा में कष्ट संभव है। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
अपमानित होने का भय है। यात्रा अभी रोक कर रखें। कार्य अभी भी विघ्न-बाधा से भरा रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी मध्यम रहेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रु पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। पैरों में चोट-चपेट लग सकती है

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। नकारात्मक ऊर्जा का मानसिक संचार होगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
गृहकलह बड़ा हो सकता है। घरेलू चीजें बाहर जा सकती हैं। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। स्वयं के स्वास्थ्य पर और अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार लगभग ठीक है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। घबराहट, बेचैनी व उदर रोग से संबंधित परेशानी व रक्तचाप ऊपर-नीचे हो सकता है।

साहित्य चेतना समाज ने कवि गोष्ठी का किया आयोजन

मिर्जापुर साहित्यिक के क्षेत्र में अत्यंत समृद्ध जनपद है : राजेश राज

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज के सौजन्य से अनगढ़ में कविगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि गोरखपुर से आए प्रसिद्ध आशुकवि व संचालक राजेश राज रहे और अध्यक्षता रविन्द्र पाण्डेय सरल ने किया। गोष्ठी का प्रारंभ नंदिनी वर्मा ने मां सरस्वती की वंदना से किया। कवि व कवयित्रियों ने अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न भेंट कर राजेश राज का स्वागत किया। प्रसिद्ध संचालक व कवि राजेश राज की गिनती देश के बड़े आशु कवियों में होती है। राजेश राज ने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं गोरखपुर में रहता हूं लेकिन मिर्जापुर मेरा पैतृक निवास है और यह साहित्यिक के क्षेत्र में अत्यंत

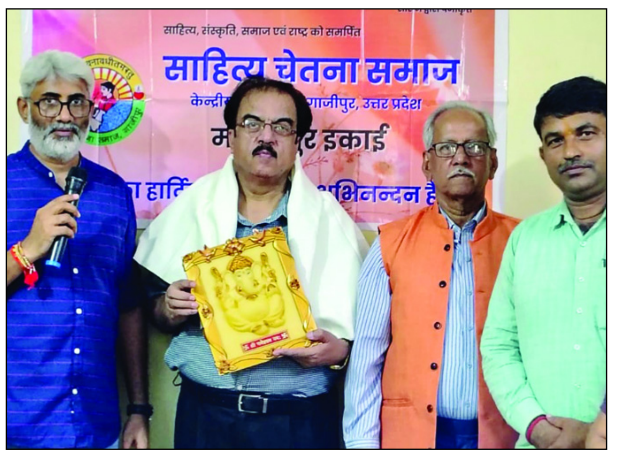

समृद्ध जनपद है। मिर्जापुर ने आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रेमघन, चुनारी लाल और बेचन शर्मा उग्र जैसे साहित्यकार दिए हैं। काव्यपाठ के क्रम में राजेश राज ने सुनाया – भाई मेरे इक काम कर आना, कि मैं तो यहां सीमा पर खड़ा । राखी में जब थाल सजा कर, राह निहारे बहना। मेरे पहुंच न पाने का दु:ख, उसे पड़े ना सहना । जा कर अपनी कलाई तू बढ़ाना, कि मैं तो यहां सीमा पर खड़ा।रविन्द्र कुमार पाण्डेय ने सुनाया – तुम भले ही मूक बनकर दिव्य लोक में जा बसी हो। किन्तु प्रतिध्वनि तो तुम्हारी हर समय गूंजा करेगी।

केदारनाथ सविता ने पढ़ा– जिंदगी रिश्तों की डोर से बुनी हुई चारपाई है, जिसपर कितने लोग आये, बैठे और चले गये। आनंद अमित ने व्यंग्य कविता सुनाया– खाती बकरी घास है या बकरी को घास? इतने सीधे प्रश्न का उत्तर सबके पास। सारिका चौरसिया ने पढ़ा – उदास शाम से सीखा मैंने, जो है अकेला चले निरंतर। सृष्टि राज ने पढ़ा – उन शहीदों को नमन जो रच गए इतिहास हैं। नंदिनी वर्मा ने सुनाया – जिंदगी हाथ मेरा थाम कहीं चलते हैं। चाहतों का लिए पैगाम कहीं चलते हैं। विनय कुमार श्रीवास्तव ने पढ़ा – मां तुमसा है कौन, हो तुम तो ममता की मूरत। कार्यक्रम का संचालन आनंद अमित ने किया।

रविवार को रात आठ बजे तक चले इस कार्यक्रम में राजपति ओझा, कुलभूषण पाठक, मयंक प्रजापति, यामिनी, सावित्री आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सृष्टि राज ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

हरित उपवन को और अधिक हरा-भरा बनाने की पहल

ग्रेनो प्राधिकरण ने एचसीएल के सहयोग से लगाए 1000 पौधे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा को पहले से अधिक हरा भरा शहर बनाने के लिए प्राधिकरण की तरफ से अभियान जारी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सोमवार को प्राधिकरण, एचसीएल फाउंडेशन और गिव मी ट्री संस्था के सहयोग से सेक्टर 16 बी स्थित हरित उपवन में पौधरोपण किया गया। प्राधिकरण की ओएसडी और ग्रेनो वेस्ट की प्रभारी गुंजा सिंह, डीजीएम संजय कुमार जैन, वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह, सहायक निदेशक उद्यान बुद्ध विलास, मैनेजर प्रशांत समाधिया, एचसीएल टेक की चेयरपर्सन रोशनी नाडर मल्होत्रा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट निधि पुंडीर सहित एचसीएल और गिव मी ट्री के प्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया।

करीब 17 एकड़ में स्थित इस ग्रीन बेल्ट में सोमवार को पीपल, शीशम, सहजन, हरण, महुआ, आंवला और जामुन के 1000 पौधे रोपित किए गए। कुल 90 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य है।

कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत आयोजित इस पौधारोपण अभियान में प्राधिकरण, एचसीएल फाउंडेशन और गिव मी ट्री के करीब 1000 कर्मचारी शोध छात्र और एचसीएल टेक्नोलॉजी के कर्मचारियों ने इस अभियान के सहभागी बनें।

भाजपाईयों ने निकाली तिरंगा यात्रा

भदोही। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में विधानसभा भदोही के अंतर्गत तिरंगा यात्रा राष्ट्र को समर्पित करते हुए विवेकानंद चौराहा से शीतला माता मंदिर नई बाजार होकर नगर भ्रमण पदयात्रा किया गया जिसमें मां भारती राष्ट्र का जय घोष किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा देश का विकास तभी संभव है जब हमारे देश के नौजवान भाई सीमा पर सरहद पर अपनी जान को नेवछावर करते हुए शहीद हो गये वहीं पर है मां भारती की रक्षा करते हैं उनके सम्मान के लिए उनके सौर्य परिश्रम पराक्रम के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि श्रद्धा सुमन अर्पित की जाती है देश के महान क्रांतिकारी देश के लिए बलिदान हो गए शहीद हो गए वहीं पर राष्ट्र के मजबूती के लिए तिरंगा यात्रा निकालकर यह संदेश दिया जाता है हम सभी भारतीय एक है कोई भी भारत की तरफ आंख उठायेगा उसका अमन चैन शांति ध्वस्त कर दिया जाएगा ऑपरेशन सिंदूर के सफलता के बाद जिस तरह से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल किया

था वहीं पर पाकिस्तान के आतंकियों को ढेर किया गया जहां पर पाकिस्तान का मनोबल बढ़ा था वहीं पर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पाकिस्तान का मनोबल गिरा दिया गया देश के विकास के लिए हमेशा संगठन सरकार हमारे प्रधानमंत्री उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम अभियान के संयोजक लालता प्रसाद सोनकर उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा में शामिल जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी लालता प्रसाद सोनकर वीरू शुक्ला गोवर्धन राय जिला मीडिया प्रभारी राकेश गुप्ता अजय दुबे प्रदीप यादव शिव शंकर यादव रविंद्र दुबे गिरधारी प्रियंका जायसवाल चंद्रशेखर सिंह जायसवाल अरविंद मौर्य प्रिय कुमार श्रीवास्तव ओमप्रकाश श्रीवास्तव स्नेह लता श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में 121 राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी

लखनऊ (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के प्राविधानों के अंतर्गत पंजीकृत उत्तर प्रदेश राज्य के 121 पंजीकृत राजनैतिक दलों द्वारा वर्ष 2019 से वर्ष 2024 (06 वर्षों) के मध्य में आयोग द्वारा आयोजित किसी भी निर्वाचन में भाग न लेने वाले दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 को दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश श्री नवदीप रिणवा ने अवगत कराया कि कारण बताओ नोटिस के सम्बंध में दल के अध्यक्ष/महासचिव अपना प्रत्यावेदन, शपथ पत्र एवं सुसंगत अभिलेखों सहित 21 अगस्त, 2025 तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0, के कार्यालय चतुर्थ तल, विकास भवन, जनपथ मार्केट, लखनऊ–226001 को प्राप्त करा सकते हैं एवं सुनवाई हेतु नियत तिथियों–02 एवं 03 सितम्बर, 2025 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 के समक्ष कार्यालय समय में उपस्थित हो कर व्यक्तिगत रूप से अपना पक्ष रख सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि यदि दल की ओर से कारण बताओ नोटिस के सम्बन्ध में निर्धारित तिथि के भीतर प्रत्यावेदन उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो यह माना जायेगा कि राजनैतिक दल को इस मामले में कुछ नहीं कहना है और संबंधित दल को राजनैतिक दलों की सूची से हटाये जाने के सम्बंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 की ओर से संस्तुति सहित प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित कर दिया जायेगा।

आयोग द्वारा चिन्हित राजनैतिक दलों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है, जो दल के पंजीकृत पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजा गया है। उपर्युक्त राजनैतिक दलों की सूची संलग्न है जो भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

इसके पूर्व भारत निर्वाचन आयोग ने अपने आदेश दिनांक 09 अगस्त, 2025 द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के पते पर स्थित 115 पंजीकृत राजनैतिक दलों को पंजीकृत सूची से हटा दिया है। ऐसे दल जिनका नाम सूची से हटाया गया है, आदेश की तिथि से 30 दिन के भीतर अपना पक्ष भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 15 अगस्त 2025 तक ऑनलाइन आवेदन

लखनऊ (एजेंसी)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा गौतमबुद्धनगर के प्रधानाचार्य यज्ञदेव सिंह ने बताया कि जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में संचालित व्यवसायों में अगस्त–2025 से प्रारम्भ प्रशिक्षण सत्र के चार चरणों में की जा रही प्रवेश प्रक्रिया के तहत तीन चरणों में लगभग 54 प्रतिशत सीट खाली बची है। रिक्त सीटों के सापेक्ष आवेदनकर्ता चौथे चरण में नवीन आवेदन बेवसाईड http://www.scvtup.in पर कर सकते है। आनलाईन आवेदन की सुविधा 11.08.2025 से 15.08.2025 रात्री 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगी।

उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण में अचयनित अभ्यार्थी तथा उक्त चरणों में चयनित परन्तु प्रवेश से वंचित समस्त अभ्यार्थी उपरोक्त लिंक पर क्लिक कर अपना पंजीकरण संख्या एवं जन्म तिथि प्रविष्ट कर आवेदन पत्र में जनपद स्तर पर प्रवेश हेतु इच्छित संस्थान एवं रिक्त व्यवसायों का विकल्प, लिंग, उपवर्ग व नये ग्रुप को पुन: पंजीकृत करा लें। पुनरीक्षित विकल्प पंजीकृत न कराये जाने की दशा में अभ्यार्थी द्वारा मूल आवेदन में प्रस्तुत किये गये विकल्पों के अनुसार चतुर्थ चरण की सीट आवंटन की प्रकिया में सम्मिलित कर लिया जायेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि सामान्य/पिछडा वर्ग हेतु शुल्क रू0 250/– (रू0 दो सौ पचास मात्र) एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हेतु शुल्क रु0 150/– (रू0 एक सौ पचास मात्र) प्रवेश पंजीकरण शुल्क है।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने किया एमिटी विश्वविद्यालय का दौरा

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी और जापानी विश्वविद्यालयों के मध्य सहयोग बढ़ाने के लिए जापान साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी के प्रतिनिधिमंडल के अंतर्गत सकुरा साइंस प्रोग्राम मुख्यालय के निदेशक ताकाशी कोनिशी और सलाहकार युजी निशिकावा ने एमिटी विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिंदर सिंह और एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

सकुरा साइंस प्रोग्राम मुख्यालय के निदेशक ताकाशी कोनिशी ने कहा कि भारत एवं जापान के मध्य आपसी सहयोग हमारे

प्रतिभाशाली छात्रों के लिए लाभकारी होगा। जापान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी एक राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास एजेंसी है जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार मूल योजना' में केंद्रीय भूमिका निभाती है और इसका उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है। जापान एवं भारत के मध्य अनुसंधानिक सहयोग को बढ़ाने के लिए हम भारतीय विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रो को जापानी विश्वविद्यालयों में शोध के लिए आंमत्रित करते है।

एआई, बायोतकनीकी, उर्जा, मैटेरियल साइंसेस, क्वांअम टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर और टेलीकम्यूनिकेशन आदि क्षेत्रों अनुसंधान के अवसर है इसके अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में है जो जापान और भारत के आपसी सहयोग के लिए आवश्यक है। उन्होनें जापानी विश्वविद्यालयों में शोध करने के लिए चयन प्रक्रिया, वित्तीय सहयोग, आवेदन प्रक्रिया, आवेदन की समय सीमा आदि के संर्दभ में विस्तृत जानकारी दी।

संबंध-विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मे इन्द्र सिंह , पुत्र श्री जयराम, हरविंदर पत्नी इन्द्र सिंह, निवासी – मोहल्ला मैना ठाकुरान, रबुपुरा, थाना–रबुपुरा जिला गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) मेरा पुत्र रोहित मीणा आए दिन मेरे साथ अभद्र व्यवहार व अभद्र भाषा का प्रयोग करता है। मेरे कहे अनुसार नहीं चलता है। हमने अपने पुत्र रोहित मीणा को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन रोहित मीणा समझने को तैयार नहीं है । रोहित मीणा के इन कृतियों से दुखी होकर हम अपने पुत्र रोहित मीणा से संबंध – विच्छेद कर अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर रहे हैं। आज के बाद अगर रोहित मीणा किसी से लेन–देन करता है या उसके किसी भी कृत्य के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा। मे और मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com, raghuvanshirampal365@gmail.com, raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

वसूली के लिए महिला...

करते हुए उसके संवेदनशील अंगों के साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश की। उसके द्वारा शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इस दौरान उसका पति भी मौके पर पहुंच गया। लोगों को देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद वह अपने पति के साथ रिपोर्ट लिखाने थाना फेस–2 गई जहां पुलिसकर्मियों ने मामले की जांच करने की बात कहकर उसे टरका दिया। इसके पश्चात उसने पुलिस के उच्च अधिकारियों को भी शिकायती पत्र भेजा जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। तमाम जगहों से निराश होकर उसने न्यायालय में प्रार्थना–पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की गुहार लगाई। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के पश्चात न्यायालय ने पांचों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। थाना फेस–2 पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

तलाक दिए बिना...

जान से मारने की धमकी दी। थाना जारचा पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पति–पत्नी के बीच पिछले कई वर्षों से विवाद चला आ रहा है। पुलिस पीड़िता द्वारा लगाए गए आरोपों की पड़ताल कर रही है।

लूटी गई कैब से अपहरण...

उसने बताया कि वह कविनगर में अनिल कुमार गर्ग की कोठी पर गार्ड की नौकरी करता था मार्च के महिने में मैने अपने मालिक अनिल कुमार गर्ग की गाडी चोरी कर ली थी जो मुझसे पुलिस ने बरामद कर ली गयी थी। इस लूटी हुई वैगनआर कार उसने अपने मालिक अनिल कुमार गर्ग के अपहरण की योजना बनायी थी जो सफल नही हो पायी इस कारण इस गाडी को अपने साथियों के साथ मिलकर बेचने के लिये मेरठ जा रहा था कि पुलिस ने पकड लिया।

मुठभेड़ में घायल हुआ...

भी ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं और यह काफी शातिर किस्म का अपराधी है इसका दूसरा साथी मुस्तकीम भी इसी दौरान पकड़ा गया। इनके पास से एक अवैध तमंचा एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस एक चोरी की गई मोटरसाइकिल, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, 34000/– रूपये कैश एवं एक सफेद धातु का कड़ा बरामद हुए हैं।

ड्राइवर और हेल्पर...

चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना दादरी क्षेत्र के गाजियाबाद बुलंदशहर हाईवे पर पड़ने वाले जारचा अंडरपास से कुछ दूरी पर तेज गति में आ रहे ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार अवनीश कुमार को गंभीर चोटे आई और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अवनीश कुमार अपनी बाइक से नोएडा से बदायूं जा रहा था। इस संबंध में मृतक के भाई रामरक्ष पाल ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना जेवर क्षेत्र में हुए हादसे में एक युवती की मौत हो गई। मोहल्ला कानून गोयन निवासी जीतू अपनी बहन नीरज बाइक से लेकर आ रहा था। ग्राम माडलपुर के पास रॉन्ग साइड में तेज गति में आ रहे डंपर ने जीतू की बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में जीतू व नीरज घायल हो गए। घायलों को जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। नीरज की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान नीरज ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस संबंध में मृतका के पिता शिवकुमार ने थाना जेवर में डंपर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना कर मृत्यु करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

दूध विक्रेता सड़क...

कुछ राहगीरों ने कार का पीछा भी किया लेकिन चालक उनकी हत्थे नहीं लगा। इस हादसे में देवेंद्र सिंह को गंभीर चोटें आई। राहगीरों ने देवेंद्र को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में घायल हुए देवेंद्र ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित ने पुलिस को कार का नंबर भी उपलब्ध कराया है। पुलिस का कहना है कि कार नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

चोरी की बाइक...

दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनसे बरामद बाइक चोरी की है। उन्होंने कुछ दिन पहले मयूर विहार दिल्ली स्थित स्मृति पार्क के बाहर से इस बाइक को चोरी किया था। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए दोनों बदमाश चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं।

एशिया कप के लिए हार्दिक का फिटनेस टेस्ट होगा

सूर्या एनसीए में एक हफ्ते और रुकेंगे, 9 सितंबर से खेला जाएगा टूर्नामेंट

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप के दिन करीब हैं. ऐसे में उन खिलाड़ियों की फिटनेस टेस्ट शुरू हो गई है, जो उस मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में भारत का खिताब डिफेंड करने के लिए उतर सकते हैं. हालांकि, बड़ा सवाल ये है कि क्या उन खिलाड़ियों की फिटनेस, उन्हें ऐसा करने की इजाजत देगी? क्या वो खिलाड़ी एशिया का किंग बनने की क्रिकेट लड़ाई में उतरने को पूरी तरह तैयार हैं? क्या कहती है उन खिलाड़ियों की फिटनेस रिपोर्ट? इस मामले में हार्दिक पंड्या, श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव को लेकर बड़ा अपडेट आया है.

हार्दिक पंड्या का 11- 12 अगस्त को फिटनेस टेस्ट

हार्दिक पंड्या फिटनेस टेस्ट में पास होंगे या फेल? अगले 48 घंटों के अंदर पता चल जाएगा. रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में 11 और 12 अगस्त उनके लिए बेहद अहम है. फिटनेस टेस्ट देने के लिए हार्दिक पंड्या, बेंगलुरु स्थित एनसीए पहले ही पहुंच चुके हैं. एनसीए पहुंचने की जानकारी हार्दिक पंड्या ने सोशल मीडिया के जरिए भी दी थी.

श्रेयस अय्यर ने पास किया फिटनेस टेस्ट

श्रेयस अय्यर को लेकर खबर आ रही है कि उन्होंने अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है. उनका टेस्ट 27 से 29 जुलाई के बीच हुआ था. श्रेयस अय्यर ने अपना आखिरी टी20 इंटरेशनल मैच साल 2023 में खेला था. मगर उनके एशिया कप से टीम में वापसी की उम्मीद जताई जा रही है. भारत के इस मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज ने घरेलू टूर्नामेंट और आईपीएल में लगातार परफॉर्म करके खुद के टीम में वापसी की संभावनाओं को जगाया है.

सूर्यकुमार यादव पूरी तरह फिट नहीं

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को लेकर अपडेट है कि वो अभी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं. उन्हें रिकवर होने में अभी एक और हफ्ता लग सकता है. मतलब वो एक और हफ्ते तक फीजियो और मेडिकल स्टाफ की निगरानी में एनसीए में ही रहेंगे. सूर्यकुमार यादव का जून की शुरुआत में हार्निया का ऑपरेशन किया गया था.

एशिया कप का आगाज 9 सितंबर से यूएई में हो रहा है. 21 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान जल्दी ही हो सकता है.

'सर, हम तो पैदा भी नहीं हुए थे'

मोहम्मद सिराज ने सैयद किरमानी से क्यों कहा ऐसा?

हैदराबाद, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। सिराज लगातार भारत के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। हैदराबाद में आयोजित हुए सैयद किरमानी की आत्मकथा स्टम्प्ड, लाइफ बिहाइंड एंड बियॉन्ड द ट्वेंटी-टू याड्र्स' इवेंट के दौरान मोहम्मद सिराज ने सैयद किरमानी की प्रशंसा की।

सिराज ने की तारीफ

सैयद किरमानी की किताब को लेकर आयोजित हुए इवेंट में मोहम्मद सिराज ने कहा कि सर, जब आपने 1983 का विश्व कप जीता था, तब हम पैदा भी नहीं हुए थे। यह आपकी एक प्रेरक और प्रेरणादायक कहानी रही है। मैंने कई खिलाड़ियों से सुना है कि विकेट के पीछे आपकी सजगता शानदार थी। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए सब कुछ के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इसके बाद किरमानी ने मोहम्मद सिराज के हालिया प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि आपने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मेरी तरफ से आपको बधाई। आपने अपने उत्साह से देश का नाम रोशन किया है। दिल से निकली आक्रामकता से। मैं आपकी सफलता की कामना करता हूं। बता दें कि यह किताब पाठकों को किरमानी के शानदार क्रिकेट करियर और मैदान से परे उनके जीवन के बारे में बहुत कुछ बयां करती है।

चर्चा में सिराज

सिराज ने इंग्लैंड दौरे पर 23 विकेट झटके थे। उन्होंने ओवल में खेले गए आखिरी टेस्ट मैच की पहला पारी में 4 और दूसरी पारी में 5 विकेट अपने नाम किए थे। पांचवें मैच के आखिरी दिन सिराज ने 3 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम रोल प्ले किया था। इसके अलावा उन्होंने दूसरे मैच की पहली पारी में 6 विकेट भी लिए थे।

टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

टी20 में पहली बार खेला ज्यादा गेंदें

मेलबोर्न, 11 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ऑलराउंडर टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले पहले टी20 के बाद ये कमाल की उपलब्धि उनके नाम हुई. टिम डेविड ने ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच खेले पहले टी20 में जो किया, उसके बाद उन्होंने सिर्फ सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड ही नहीं तोड़ा बल्कि ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो भी बने. इतना ही नहीं, उन्होंने अपने टी20 करियर की सबसे ज्यादा गेंदें भी एक पारी में इसी मुकाबले में फेस की.

टिम डेविड ने पहली बार खेली इतनी ज्यादा गेंदें

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए. इसमें 83 रन अकेले टिम डेविड के बल्ले से निकले. इस पारी के दौरान टिम डेविड ने 12 बाउंड्रीज लगाईं, जिसमें से 8 सिर्फ छक्के रहे. मगर उसके बावजूद उन्होंने इतनी गेंदें खेली, जितनी टी20 करियर में पहले कभी किसी इनिंग में नहीं खेली.

11 छक्केलगाना भी नहीं आया काम, शतक से चूका, मैच भी गंवाया

टिम डेविड ने अपनी इनिंग में 52 गेंदों का सामना किया. ये पहली बार है जब उन्होंने 50 से ज्यादा गेंदें खेली है. इससे पहले उन्होंने सबसे ज्यादा 46 गेंद किसी एक टी20 इनिंग में 2020 में हॉन्ग-कॉन्ग के खिलाफ खेली थी.

टिम डेविड ने तोड़ा सूर्यकुमार का वर्ल्ड रिकॉर्ड

अब सवाल है कि टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का बनाया कौन सा वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा है? ये वर्ल्ड रिकॉर्ड टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट का है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 10 अगस्त को खेले पहले टी20 के बाद टिम डेविड अब सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज बन गए हैं. सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट टी20 इंटरनेशनल में 167.07 का है. जबकि टिम डेविड की स्ट्राइक रेट 167.37 की हो चुकी है.

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराया

साउथ अफ्रीका की टीम के सामने 179 रन का लक्ष्य था. लेकिन, उसका पीछा करते हुए वो 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन ही बना सके. ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 17 रन से जीता और इसी के साथ 3 टी20 की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल की. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में प्लेयर ऑफ द मैच ऑस्ट्रेलिया की ओर से टिम डेविड को चुना गया.

ईस्ट दिल्ली ने वेस्ट दिल्ली को 2 रनों से हराया

21 साल के युवा बल्लेबाज ने पलटा मैच का पासा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 में मैच नंबर 17 ईस्ट दिल्ली राइडर्स बनाम वेस्ट दिल्ली लायंस के बीच 10 अगस्त को खेला गया। इस मैच में ईस्ट दिल्ली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्ट दिल्ली को 2 रनों से पराजित कर दिया। ईस्ट दिल्ली की ओर से 21 साल के अर्पित राणा ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। हालांकि आखिरी ओवर में ईस्ट दिल्ली ने रोमांचक जीत हासिल कर ली।

ईस्ट दिल्ली ने बनाए थे 158 रन

ईस्ट दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 158 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाद अर्पित राणा ने कमाल कर दिया। उन्होंने 47 गेंदों में 71 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके के अलावा 3 छक्के शामिल थे। इसके अलावा सुजल सिंह ने 9 गेंदों में 7 रन बनाए। वहीं नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने उतरे हार्दिक शर्मा ने भी 37 गेंदों में शानदार 50 रनों की पारी खेली। दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज खासा प्रभावित नहीं कर सका।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्ट दिल्ली 2 रनों से पीछे रह गई। सलामी बल्लेबाज कृष यादव ने 39 गेंदों में 44 और अंकित कुमार ने 42 रनों का योगदान दिया। हालांकि नितीश राणा ने 2 गेंदों में 0 रन बनाए। वह खाता खोल तक नहीं खोल सके। नितीश अब तक खेले गए मुकाबले में खासा प्रभावित नहीं कर सके हैं। इसके अलावा आयुष दोसेजा ने 26 और मयंक गुसाईं ने 27 रनों का योगदान दिया। वेस्ट दिल्ली की टीम 7 विकेट के नुकसान पर 156 रन ही बना सकी।

वेस्ट दिल्ली की ओर से मनन भारद्वाज ने 4 ओवर में 26 रन खर्च कर 3 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। इसके अलावा नितीश राणा को 2 सफलता मिली। वहीं ईस्ट दिल्ली की ओर से मयंक रावत को 2 और रौनक वाघेला को भी 2 विकेट मिले।

वेस्टइंडीज 6 साल बाद पाकिस्तान को हराने में कामयाब, सीरीज 1-1 से बराबर

तारूबा, 11 अगस्त (एजेंसियां)। रोस्टन चेज के हरफनमौला प्रदर्शन और शेरफेन रदरफोर्ड की तेज पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को दूसरे वनडे में पांच विकेट हरा दिया. पहले मैच में मेजबान को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था. तीन मैचों की सीरीज अब 1-1 से बराबर हो गई है. इस वजह से सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच 12 अगस्त को खेला जाएगा. खास बात ये है कि कैरेबियाई टीम छह साल बाद पाकिस्तान को वनडे में हराने में कामयाब हुआ.

कैरेबियाई टीम ने आखिरी बार 2019 विश्व कप में सरफराज अहमद की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम को सात विकेट से हराया था. इसके बाद, दोनों देशों ने 2022 में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली, जिसमें पाकिस्तान ने विपक्षी टीम पर क्लीन स्वीप किया. अब, सीरीज का पहला मैच हारने के बाद, वेस्टइंडीज ने मेहमान टीम पर आसान जीत के साथ वापसी की.

चेज और रदरफोर्ड ने जीत में अहम भूमिका निभाई

बारिश से प्रभावित दूसरे मैच में 35 ओवरों में 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोस्टन चेज ने 47 गेंदों में 49 रनों की पारी खेली. जबकि रदरफोर्ड ने 33 गेंदों में 45 रन बनाकर पारी को गति प्रदान की और वेस्टइंडीज ने पांच गेंद शेष रहते मैच जीत लिया.

इससे पहले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. सलामी बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला शफीक ने पावरप्ले में बाउंड्री लगाई, लेकिन बीच में कई डॉट बॉल भी रहीं. पाकिस्तान नियमित अंतराल पर विकेट गंवाता रहा, और इसलिए रन बनाना उनके लिए एक समस्या बन गया. टीम 37 ओवरों में केवल 171/7 रन ही बना पाई.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले चार ओवरों में ही सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग (1) और एविन लुईस (7) के विकेट गंवा दिए. हालांकि, शाई होप (32), रदरफोर्ड (45) और चेज (नाबाद 49) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम को जीत दिलाई. चेज को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला, जिससे टीम पाकिस्तान पर जीत हासिल करने में सफल रही.

बाबर बिना खाता खोले आउट

सैम अयूब के सस्ते में पवेलियन लौटने के बाद बाबर आजम नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे। बाबर से हर कोई बड़ी पारी की उम्मीद कर रहा था। हालांकि, वह अपने फैन्स को निराश कर गए। बाबर की पारी का अंत सिर्फ 3 गेंदों में ही हो गया। दो गेंदों को डिफेंड करने के बाद बाबर जायडेन सील्स की अंदर आती हुई गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खा गए। बॉल हल्के से हवा में लहराई और बाबर गेंद की लाइन को पूरी तरह से मिस कर गए। गेंद बैट और पैड के बीच में से निकल गई और उनके स्टंप पर जा टकराई। बाबर को ना चाहते हुए भी बिना खाता खोले पवेलियन लौटना पड़ा। जायडेन सील्स ने मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 23 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

अन्नू-कुजूर और मुरली चमके - भारत की पहली विश्व महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में उम्मीदों पर खरे उतरे

भुवनेश्वर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। स्टार धावक अनिमेष कुजूर, अनुभवी भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी और लंबी कूद के दिग्गज एथलीट मुरली श्रीशंकर ने भारत की पहली विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में अपनी अपनी स्पर्धाओं में जीत हासिल कर उम्मीदों पर खरे उतरे। विश्व एथलेटिक्स की कांस्य स्तर की यह प्रतियोगिता सुचारू रूप से चली, लेकिन इसमें वैश्विक दिग्गजों की भागीदारी काफी कम थी।

कुजूर का प्रदर्शन हालांकि नाटकीयता से भरा रहा। 22 वर्षीय इस एथलीट ने सुबह अपनी 100 मीटर की हीट रेस में कुछ कदम के बाद ही दौड़ना बंद कर दिया था।, वह आधे घंटे बाद अपनी 200 मीटर की हीट रेस में दौड़े और 20.99 सेकंड के समय के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने शाम के सत्र में 200 मीटर फाइनल में 20.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। कोरिया के को सेउंघवान (20.95 सेकंड) और एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रागुल कुमार (21.17 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

कुजूर के नाम 100 मीटर (10.18 सेकंड) और 200 मीटर (20.32 सेकंड) दोनों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। श्रीशंकर का मुकाबला उभरते हुए किशोर शाहनवाज खान से था। खान ने फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। 17 वर्षीय खान चौथे प्रयास में 8.04 मीटर की छलांग लगाकर शीर्ष पर थे, जबकि श्रीशंकर 7.95 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर थे।

26 साल के श्रीशंकर ने हालांकि अपने अंतिम प्रयास में 8.13 मीटर की छलांग लगाकर रोमांचक अंदाज में स्वर्ण पदक जीता। यह चोट के कारण लंबे समय से बाहर रहने के बाद वापसी पर उनका लगातार चौथा खिताब है। वह हालांकि तोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर को हासिल करने में नाकाम रहे।

महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में एशियाई खेलों की चैंपियन अन्नू रानी ने चौथे प्रयास में 62.01 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। इससे सितंबर में होने वाली तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने की उनकी संभावना मजबूत हो गई। वह 64 मीटर के स्वतः क्वालीफिकेशन से दूर है लेकिन 'रोड टू तोक्यो' सूची में 30 वें पायदान पर है। इसमें सूची में शीर्ष 36 स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 63.22 मीटर है। उन्होंने इसे 2022 में हासिल किया था। कलिंगा स्टेडियम में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारतीय प्रतिभागियों द्वारा 80 मीटर का आंकड़ा मुश्किल से पार कर पाने से दर्शक निराश हुए। श्रीलंका के रोमेश थरंगा पथिरागे ने 86.50 मीटर के अपने पहले प्रयास के साथ पुरुषों का भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 85.50 मीटर के विश्व चैंपियनशिप के स्वतः क्वालीफिकेशन को भी पार कर लिया।

भारत के 20 वर्षीय शिवम लोहकरे ने 80.73 मीटर के साथ रजत पदक जीता। श्रीलंका के सुमेधा रणसिंघ 80.65 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के रोहित यादव (80.35 मीटर) और एशियाई चैंपियनशिप के रजत विजेता सचिन यादव (79.80 मीटर) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। शैली सिंह ने 6.28 मीटर के औसत प्रदर्शन वाले छलांग के साथ महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा जीती।

भारतीय पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने श्रीलंका (3:08.22) के बाद दूसरे स्थान पर रहकर निराश किया। टी. संतोष कुमार, विशाल टी.के., अमोज जैकब और धर्मवीर चौधरी की भारतीय चौकड़ी ने तीन मिनट 08.37 सेकंड का समय लिया। मलयेशिया के मुहम्मद अजीम बिन ने 10.35 सेकंड में 100 मीटर की दौड़ जीतकर मीट के सबसे तेज धावक का ख़िताब हासिल किया।

अभिषया राजराजन ने 11.57 सेकंड के समय के साथ महिलाओं की 100 मीटर फाइनल जीती। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में 15 से अधिक देशों के 150 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसकी पुरस्कार राशि 25,000 डॉलर थी।

हरमनप्रीत बोली टीम वर्ल्ड कप सूखा खत्म करने को तैयार

विमेंस वर्ल्ड कप ट्रॉफी लॉन्च हुई; 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे महिला वनडे विश्व कप में आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि कुछ अवसरों पर वह इसके करीब पहुंची थी। इसमें 2017 में इंग्लैंड में खेला गया वनडे विश्व कप भी शामिल है जिसमें भारत उपविजेता रहा था।

हरमनप्रीत ने वनडे विश्व कप ट्रॉफी के अनावरण समारोह में कहा, 'हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं जिसका सभी भारतीय इंतजार कर रहे हैं। विश्व कप हमेशा खास होता है। मैं हमेशा अपने देश के लिए कुछ खास करना चाहती हूं। जब भी मैं युवी भैया (युवराज सिंह) को देखती हूं तो मुझे काफी प्रेरणा मिलती है।' इस अवसर पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह और हरमनप्रीत की टीम के साथी भी उपस्थित थे। भारतीय टीम का हाल में प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। उसने इंग्लैंड दौरे में टी20 और वनडे सीरीज जीती थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले 14 सितंबर से खिताब की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच की घरेलू सीरीज खेलेगी और हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा।

हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और हमें इससे अपनी स्थिति का पता चलता है। यह सीरीज (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे) हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं।' हरमनप्रीत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 171 रन की जोरदार पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। उस पारी की यादें अब भी उनके जेहन में ताजा है।

नेशनल स्पोर्ट गवर्नेंस बिल लोकसभा से पास

खेल मंत्री बोले- आजादी के बाद का सबसे बड़ा खेल सुधार

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल और नेशनल एंटी-डोपिंग संशोधन बिल 2025 को मंजूरी मिल गई। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे आजादी के बाद भारतीय खेलों में सबसे बड़ा सुधार करार दिया। वहीं विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची संशोधन और कथित वोट धोखाधड़ी को लेकर जोरदार विरोध जारी रखा। नेशनल स्पोर्ट्स बिल को पहली बार 1975 में लाने की कोशिश की गई थी, लेकिन राजनीतिक कारणों के चलते यह बिल बार-बार संसद तक पहुंच नहीं पाया। वर्षों तक लंबित रहने के बाद अब यह बिल आखिरकार संसद में पास होकर भारतीय खेलों के लिए एक नए युग की शुरुआत कर रहा है।

संसद में सुबह हंगामे के कारण सत्र स्थगित हो गया था, लेकिन दोपहर 2 बजे पुनः शुरू होने पर नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल और नेशनल एंटी-डोपिंग संशोधन बिल दोनों पास कर दिए गए। विपक्ष के अधिकांश नेता उस समय चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर मार्च करते हुए हिरासत में थे, जिससे वे सदन में मौजूद नहीं थे। बहस के दौरान कुछ विपक्षी सांसदों ने बिल का समर्थन भी किया, लेकिन बाद में वापस आकर नारेबाजी शुरू कर दी। अंततः हंगामे के बीच दोनों बिल वॉयस वोट से पारित किए गए।

बिल पास होने के बाद केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे आजादी के बाद खेलों में सबसे बड़ा सुधार बताया। उन्होंने कहा कि यह बिल खेल संघों में जवाबदेही, न्याय और बेहतर गवर्नेंस को सुनिश्चित करेगा। मांडविया ने यह भी कहा कि बिल भारत के खेल तंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्हें अफसोस है कि विपक्ष इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हुआ। नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 में संशोधन करते हुए खेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बीसीसीआई अब भी सूचना का अधिकार के दायरे में नहीं आएगा। यह बिल केवल उन खेल संगठनों पर लागू होगा जो सरकारी अनुदान और सहायता प्राप्त करते हैं, जबकि बीसीसीआईको सरकार से कोई अनुदान नहीं मिलता। पिछले वर्षों में कई संगठन बीसीसीआई को आरटीआई के दायरे में लाने की मांग करते रहे हैं, लेकिन फिलहाल यह संभव नहीं हुआ है।

बिजनौर में दर्दनाक हादसा : पंप ठीक करने कुएं में उतरे तीन भाइयों की दम घुटने से मौत

बिजनौर (एजेंसी)। यूपी के बिजनौर जिले के सरकथल गांव में रविवार को हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। दरअसल 20 फीट गहरे कुएं में पंप बेल्ट लगाने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आए तीन भाइयों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 25 वर्षीय छत्रपाल, 22 वर्षीय हिमांशु (चचेरा भाई) और 20 वर्षीय कशिश के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब सबसे पहले छत्रपाल कुएं में उतरा और जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए हिमांशु और कशिश भी एक-एक कर कुएं में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए। गांव के एक व्यक्ति ने शोर सुनकर मदद के लिए दौड़ लगाई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों में से एक ने गीला कपड़ा बांधकर रस्सी की मदद से कुएं में उतरकर तीनों को ऊपर खींचा। उन्हें तुरंत नूरपुर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे से परिवार और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, परिवार ने किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पंप खराब होना गांव में आम समस्या होती है और लोग अक्सर खुद ही मरम्मत के लिए कुएं में उतर जाते हैं, लेकिन इस हादसे ने साफ कर दिया कि बिना उचित सावधानी यह कदम जानलेवा साबित हो सकता है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर की चार्जशीट

-दो कंपनियों से 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। ईडी का आरोप है कि वाड्रा ने दो कंपनियों के जरिए 58 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की, जिसका इस्तेमाल उन्होंने अचल संपत्तियां खरीदने, निवेश करने, कारोबारी कर्ज चुकाने और विभिन्न ग्रुप कंपनियों को फंड देने में किया। ईडी की चार्जशीट के अनुसार, वाड्रा को कथित आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी यह रकम दो रास्तों से मिली। इसमें 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (बीबीटीपीएल) के जरिए और 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए ट्रांसफर हुए। ईडी के अनुसार जांच में सामने आया कि इन दोनों कंपनियों से प्राप्त रकम को वाड्रा ने न केवल अचल संपत्ति खरीदने और निवेश में लगाया, बल्कि अपने व्यवसायिक नेटवर्क की देनदारियां चुकाने में भी इस्तेमाल किया। ईडी का कहना है कि पूरी प्रक्रिया में मनी लॉन्ड्रिंग रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत अपराध से अर्जित संपत्ति को छिपाने और वैध दिखाने की कोशिश की गई। ईडी ने कहा है, कि चार्जशीट में जुटाए गए दस्तावेजी सबूत और बैंक ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड इस कथित अवैध कमाई के स्रोत और इस्तेमाल की पुष्टि करते हैं। मामले की सुनवाई जल्द ही विशेष अदालत में शुरू होगी।

आत्मविश्वेश्वर मंदिर में लगी आग, पुजारी समेत सात लोग झुलसे

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी में आत्मविश्वेश्वर मंदिर में आग लग गई जिसकी चपेट में आने से मंदिर के पुजारी समेत सात लोग झुलस गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक यह घटना तब हुई जब मंदिर को एक प्राचीन धर्मस्थल की तर्ज पर सजाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे मंदिर को अपनी चपेट में ले लिया। जानकारी के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है। आग की खबर सुनते ही लोग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस ने आग से झुलसे लोगों को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि वाराणसी में श्री आत्मा विश्वेश्वर महादेव मंदिर में आग लगने और कई श्रद्धालुओं के झुलसने का समाचार दुखद है। बाबा काशी विश्वनाथ से हादसे में घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

सीएम सरमा बोले- तोज सभी घुसपैठियों को राहुल गांधी के घर भेज दो

गुवाहाटी (एजेंसी)। घुसपैठियों को लेकर कांग्रेस नरम और भाजपा हमेशा ही सख्त रही है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद गौरव गोगोई ने हाल ही में घुसपैठियों को ना असमिया (नया असमिया) कहा था। इस पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पार्टी पर घुसपैठियों को नई पहचान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अगर बाहर से आए घुसपैठियों से इतना ज्यादा ही लगाव है तो उन्हें अपने घर में जगह दें या फिर राहुल गांधी के घर पर भेज दें। इतना ही नहीं हिमंत ने अतिक्रमण के खिलाफ चल रही राज्य सरकार की जंग की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी जमीनों को मुक्त कराने के लिए चलाया जा रहा बेदखली अभियान ऐसे ही जारी रहेगा। मीडिया से बात

करते हुए सीएम ने कहा कि राज्य के संसाधनों को लेकर भी अपनी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि असम में मूल असमियों के लिए ही पर्याप्त संसाधन या जगह नहीं है, तो ऐसे में हम तथाकथित नए असमियों को कैसे जगह दे सकते हैं। उन्होंने कहा, न तो जमीन है, न जगह, न घर। हम असमियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं दे सकते। ऐसे में हम इन तथाकथित नए असमियों को ये सुविधाएं कैसे दे सकते हैं? गोगोई को अगर इनकी इतनी ही चिंता है, तो इन लोगों को राहुल गांधी के घर भेज देना चाहिए।मुख्यमंत्री ने राज्य में घुसपैठियों को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे अतिक्रमण बेदखली अभियान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, बेदखली अभियान जारी रहेगा। अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद, भाजपा सत्ता में वापस आएगी और तब भी बेदखली जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महिलाओं ने गाया बधाई गीत, योगी सरकार के ट्रस्ट पर रोक

वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर का मामला

मथुरा, (एजेंसी)। क्या आप सोच सकते हैं कि किसी मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला दे और उसके सम्मान में मंदिर में महिलाएं बधाई गीत गाएं। जी हॉं वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर मामले में ऐसा ही कुछ हुआ है। दरअसल कॉरिडोर प्रोजेक्ट और यूपी की योगी सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए बनाए गए ट्रस्ट का विरोध गोस्वामी परिवार और उनकी महिलाएं पिछले ढाई माह से लगातार कर रहीं थीं और अब कोर्ट ने इस पर रोक लगाकर एक तरह से उन्हें राहत प्रदान कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले तक जो महिलाएं विरोध स्वरुप प्रदर्शन कर रहीं थीं वही अब बधाई गीत गाती नजर आई हैं। मानों बांके बिहारी मंदिर का माहौल ही अचानक बदल गया है। कोर्ट का फैसला जान गोस्वामी परिवार और उनकी महिलाएं खुश हो गईं और ठाकुरजी को निहारते हुए बधाई गीत गाने लगीं, इससे मंदिर प्रांगण का भक्तिमय माहौल भावुक पलों में तब्दील हो गया। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और भक्तों में इसकी वजह जानने की कोशिश की। इस पर वहां मौजूद महिलाएं भावुक हो कहती दिखीं, जिन्होंने हमारे ठाकुरजी को परेशान करने की कोशिश की थी, उनकी हार हुई। ठाकुरजी ने तो हमें अपने पास ही रखा...। वे सभी जयकारा लगाते हुए बोलीं...जय हो बिहारीजी की। इसी के साथ भावना से ओत-प्रात महिलाएं गाती हैं, मेरे ठाकुर जी की फूल गई फुलवाड़ीज। जिसमें अन्य भक्तजन भी शामिल होते चले जाते हैं।

यहां बताते चलें कि कॉरिडोर प्रोजेक्ट और यूपी सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए बनाए जाने वाले ट्रस्ट का विरोध काफी लंबे समय से किया जा रहा था। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं थीं। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 8 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 के तहत समिति के संचालन को रद्द किया जा रहा है। कोर्ट ने बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थाई रोक लगाते हुए अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया। इसे बांके बिहारी मंदिर से जुड़े हुए लोग और भक्त बड़ी जीत बता रहे हैं और बधाई गीत गा रहे हैं।

वकील अपनी पहचान न्याय के सूत्रधार के रुप में स्थापित करें : पूर्व सीजेआई

छत्रपति संभाजीनगर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने वकालत कर रहे छात्रों और वकीलों को नैतिकता पर खरे उतरने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि सभी वकीलों को अपनी पहचान न्याय के सूत्रधार के रूप में स्थापित करनी चाहिए। पूर्व सीजेआई के मुताबिक सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। खासकर कानून की पढ़ाई करने वाले अभ्यार्थी जिंदगी भर कुछ न कुछ नया सीखते हैं। वो एक स्वतंत्र विचारक होते हैं। लॉ कॉलेज में छात्रों को संबोधित करते हुए पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकीलों के लिए न्याय सबसे पहले होना चाहिए। अगर चाहिए तो दूसरों का मार्गदर्शन जरूर लो, आपकी सोच स्वतंत्र होनी चाहिए। उनहोंने कहा कि अगर नई पीढ़ी कुछ नया सीखती है और अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहती है, तो इस क्षेत्र में आपके सामने ढेरों मौके खुले हैं। आज महिलाएं भी सुपरस्पेशलिटी और तकनीकी शाखाओं में शामिल हो रही हैं। यह बदलाव कानून के क्षेत्र में भी आना चाहिए। कानून में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए। चंद्रचूड़ ने कहा कि कई छात्र छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों से आते हैं। वह न सिर्फ लॉ कॉलेज में अहम योगदान देते हैं बल्कि सफलता की नई कहानी भी बुनते हैं। बेहतर प्रैक्टिस के लिए कानून की पढ़ाई करने वाले बच्चों को लाइब्रेरी डेटाबेस मुहैया करवाना चाहिए। सीनियर्स को चाहिए कि नए वकीलों को उनके शुरुआती दिनों में सपोर्ट करें और आर्थिक रूप से उनकी मदद करें।

तेजस्वी के आरोप हुए सच साबित: डिप्टी सीएम खुद बोले- हॉं हैं दो जगह नाम, पर हटाने का आवेदन दे चुका

पटना(एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची में डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा का नाम दो जगह दर्ज होने को लेकर रविवार को सियासत गरमा गई। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सिन्हा के पास दो ईपिक नंबर हैं और उनका नाम पटना के बांकीपुर व लखीसराय, दोनों विधानसभा क्षेत्रों की वोटर लिस्ट में मौजूद है, साथ ही उम्र में भी अंतर है। इसे स्वीकार करते हुए डिप्टी सीएम बोले, हॉं मेरे दो जगह से नाम हैं और एक जगह से हटाने का आवेदन भी दे चुका हूं।

दरअसल इन आरोपों के चलते बिहार से लेकर दिल्ली तक की राजनीति गरमा गई है। ऐसे में आरोप लगने के कुछ ही देर बाद डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अपनी सफाई भी पेश कर दी। मीडिया के समक्ष उन्होंने स्वीकार करते हुए कहा, कि मेरा नाम दो जगह दर्ज है, लेकिन पटना से नाम हटाने का आवेदन पहले ही दे चुका हूं। अभी अंतिम मतदाता सूची जारी नहीं हुई है, प्रक्रिया जारी है। डिप्टी सीएम सिन्हा का कहना है, कि उन्होंने 30 अप्रैल 2024 को लखीसराय में नाम जोड़ने और पटना से हटाने का फॉर्म भरा था, लेकिन तकनीकी कारण से नाम नहीं हट पाया। प्रारूप प्रकाशन के बाद जब परिवार ने दोबारा नाम दर्ज होने की जानकारी दी, तो उन्होंने 5 अगस्त को बीएलओ को फॉर्म-7 भरकर दिया और उसकी रिसीविंग भी ली। डिप्टी सीएम ने कहा, कि बीजेपी लोकतंत्र की प्रहरी है, संवैधानिक संस्थाओं का अपमान नहीं करती। दो जगह से वोट देने की परंपरा हमारी नहीं, बल्कि इनकी है। उन्होंने तेजस्वी यादव को जंगलराज के युवराज कहते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष जनता में भ्रम फैला रहा है। डिप्टी सीएम सिन्हा के साथ मौजूद एक वकील ने स्थिति को संभालते हुए स्पष्ट किया कि नाम दो जगह आने का कारण बीएलओ प्रक्रिया की तकनीकी खामी है और अब सुधार के लिए चुनाव आयोग द्वारा एक महीने का समय दिया गया है।

पैसा कमाने परदेस गया था बेटा बॉक्स में लौटा, बूढ़ी मां के रुक नहीं रहे आंसू

नाइजर में 4 महीने में 8 भारतीय मजदूरों पर हुए हमले, 6 अगवा, दो की हत्या

गोरखपुर (एजेंसी)। बेटे परदेस गया था पैसा कमाने, लेकिन बॉक्स में लौटा। मौत के 12 दिन बाद उसकी लाश देखी। उसके सीने पर गोली मारी। दो गोली कमर पर और एक सिर में लगी थी। बोलकर गया था कि दीवाली से पहले लौट आऊंगा, लेकिन वह हमें छोड़कर चला गया। यह कहना है 63 साल की ज्ञानती देवी का। वह बेटे कृष्ण की फोटो देखकर भावुक हो जाती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कृष्ण कुमार गुप्ता पश्चिमी अफ्रीका के देश नाइजर में काम करने गया था। 15 जुलाई को उसकी साइट पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। कृष्ण को गोली मार दी। वे यूपी के कुशीनगर का रहने वाला था। आतंकियों ने कृष्ण के साथ काम करने वाले झारखंड के गणेश करमाली को भी गोली मार दी। जम्मू-कश्मीर के रंजीत को अगवा करके ले गए। उसका अभी तक पता नहीं चला है।

बता दें नाइजर में बीते चार महीने में आठ भारतीय मजदूरों पर जानलेवा हमले हुए। इनमें छह को अगवा कर लिया गया, जबकि दो की हत्या कर दी गई। जो मजदूर बच गए, उन्हें सेना के शिविर में निगरानी में रखा गया है। ये लोग अब भारत लौटना चाहते हैं। इन हमलों के पीछे आतंकी संगठन बोको हराम का हाथ बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 15 जुलाई को डोसो में ट्रांसमिशन लाइन पर बिजली के खंभे लगाने का काम चल रहा था। इनमें जेसीबी ऑपरेटर कृष्ण गुप्ता, चीफ सेफ्टी अफसर रंजीत सिंह थे। रोज की तरह काम शुरू हुआ, लेकिन सुबह करीब 11 बजे बाइक से कुछ लोग आए। वह हथियारों से लैस थे। आते ही उन्होंने सिक्योरिटी में तैनात सेना के जवानों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमले के बारे में कृष्ण गुप्ता के परिवार को सबसे पहले दिनेश कुमार ने बताया था। दिनेश बिहार के गोपालगंज के रहने वाला है। घटना वाले दिन वे भी ट्रांसमिशन लाइन पर काम कर रहा था। वे दूसरी कंस्ट्रक्शन साइट पर था, इसलिए बच गया। दिनेश इस वक्त सेना के शिविर में हैं।

बता दें नाइजर में भारतीय मजूदरों पर हुआ ये पहला हमला नहीं था। इससे पहले भी 25 अप्रैल, 2025 को तिलाबेरी इलाके में बिजली का टावर लगाते समय हथियारबंद बाइक सवारों ने कल्पतरु कंपनी के मजदूरों पर हमला किया था। तब मजदूर लंच करके साइट पर लौट रहे थे। इसी दौरान हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में सेना के छह जवान घायल हुए थे। पांच भारतीय मजदूरों को हमलावर अपने साथ ले गए थे। पांचों मजदूर झारखंड के गिरिडीह जिले के दोंदलो गांव के रहने वाले हैं। नाइजर सरकार इनकी खोजबीन के लिए तिलाबेरी से लेकर डोसो तक सर्च ऑपरेशन चला रही है। ये सभी जनवरी 2025 को नाइजर गए थे। वे इस साल जुलाई में घर लौटने वाले थे। 25 अप्रैल की इस घटना के बाद 15 जुलाई को डोसो में काम कर रहे मजदूरों की हत्या कर दी गई। एक को अगवा कर लिया गया। इन घटनाओं के बाद अब चार महीने में नाइजर में आठ भारतीय मजदूरों पर हुए जानलेवा हमलों में छह किडनैपिंग और दो की हत्या के मामले सामने आए हैं।

धराली रेस्क्यू ऑपरेशन में 1000 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया : सीएम पुष्कर धामी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि खराब मौसम के बावजूद अब तक 1000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इनमें स्थानीय नागरिकों के साथ देशभर से आए तीर्थयात्री भी शामिल हैं। घायलों को जिला अस्पताल और एम्स में भर्ती कराया गया है, जहां उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हर्षिल और धराली क्षेत्रों में आवश्यक राहत सामग्री जैसे दवाएं, राशन, दूध और कपड़े पर्याप्त मात्रा में पहुंचाए गए हैं। बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए उरेडा का पावर हाउस शुरू किया गया है और यूपीसीएल द्वारा तारों की मरम्मत की जा रही है। मोबाइल नेटवर्क की बहाली और दो 125 केवी जनरेटर की व्यवस्था भी की गई है। सड़क मार्ग को दुरुस्त करने का कार्य तेज़ी से जारी है। गंगनानी में बेली ब्रिज का निर्माण हो रहा है और मंगलवार तक हर्षिल तक सड़क मार्ग पूरी तरह खोलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें 5 लाख की तत्काल सहायता राशि दी जाएगी और अगले छह महीने का राशन भी उपलब्ध कराया जाएगा। राजस्व सचिव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई है जो पुनर्वास और क्षति का आकलन करेगी। सेब के बगीचों को हुए नुकसान की भी समीक्षा होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पौड़ी के अन्य प्रभावित गांवों में भी सहायता दी जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार हर संभव सहयोग दे रही है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21 जुलाई से लापता, उन्हें ढूंढने के लिए याचिका दायर करेंगे: संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21 जुलाई से लापता हैं। स्वस्थ होने के बावजूद, यह बेहद चौंकाने वाला था कि उन्हें बताया गया कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया है। लेकिन, इस्तीफे के बाद से वह कहाँ हैं, उनकी स्वास्थ्य स्थिति क्या है, क्या वह सचमुच मौजूद हैं? क्या उन्हें कहीं गायब कर दिया गया है? ये संदेह हमारे मन में आ रहे हैं। रूस और चीन में जिन नेताओं को हम नहीं चाहते, उन्हें गायब करने का यही तरीका है। क्या इन लोगों ने ऐसी परंपरा शुरू की है? यह कहना है शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत का। संजय राउत ने रविवार को मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे जब दिल्ली गए थे, तब कपिल सिब्बल और मैंने धनखड़ के बारे में चर्चा की थी। इस संबंध में, हमने निर्णय लिया है कि सर्वोच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की जाए। जब कोई व्यक्ति नहीं मिल पाता है, तो ऐसी याचिका दायर की जा सकती है और न्यायालय के आदेश से संबंधित व्यक्ति का पता लगाया जा सकता है। संजय राउत ने आगे कहा, चुनाव से पहले कुछ लोगों ने शरद पवार से मुलाकात की थी और एक निश्चित राशि देकर 160 सीटें जीतने का दावा किया था। मैं आपको यह भी बता दूँ कि ऐसे कुछ लोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान उद्धव ठाकरे से भी मिले थे। तब उद्धव ठाकरे ने उनसे साफ़ कहा था कि हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। लोकसभा में महाराष्ट्र में हमें सफलता मिली थी। बाद में, विधानसभा चुनावों के दौरान, ये लोग फिर मिले और कहा, जो 60-65 सीटें आपको मुश्किल लग रही हैं, बताइए, हम उन्हें ईवीएम से जीतेंगे। हमने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि हमें ऐसे तरीके की ज़रूरत नहीं थी। हालाँकि, उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने ईवीएम और मतदाता सूची के ज़रिए तैयारी की है, इसलिए आपकी विफलता दिखाई दे रही है। हम आपको जिता सकते हैं, ऐसा उन्होंने यह भी कहा। हमें चुनाव आयोग और लोकतंत्र पर विश्वास था। लेकिन अब मुझे लगता है कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे से मिलने वाले लोगों के दावों में सच्चाई होनी चाहिए।

राहुल गांधी की वोट बचाओ अधिकार यात्रा कांग्रेस की समाप्ति की यात्रा है

केंद्रीय मंत्री ने कहा- वे चाहते हैं हम घुसपैठियों को वोट देने का अधिकार दें

बेगूसराय (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव वोट बचाओ अधिकार यात्रा निकालने वाले हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को इस यात्रा को कांग्रेस की समाप्ति की यात्रा बताया। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई पर सवाल उठाने को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी सेना नहीं, बल्कि पाकिस्तान पर ज्यादा भरोसा है।

सदन में पीएम मोदी के जवाब नहीं देने पर कांग्रेस द्वारा कायर बताए जाने को लेकर गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को देश की सेना पर भरोसा नहीं है। सेना के जनरल और सभी बड़े लोग बता चुके हैं, लेकिन उन्हें सेना और पीएम पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस को डूबकर मर जाना चाहिए। अगर उनकी यही आदत रही तो वे देश के अंदर ही देशविरोधी कहलाएंगे।

राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर सवाल उठाने पर गिरीराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को संविधान का ज्ञान नहीं है। वे पागल की तरह बात करते हैं। वे क्या कहना चाहते हैं कि हमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोट का अधिकार देना चाहिए, जो अवैध हैं, उन्हें वोट का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर उनमें ताकत है तो चुनाव आयोग को वह सूची क्यों नहीं दे रहे, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि जो जिंदा थे, उन्हें मृत दिखाया गया और जो सही वोटर्स थे, उन्हें सूची से निकाल दिया गया? वे सोचते हैं कि झूठ बोलते रहेंगे, तो वह सच हो जाएगा?, लेकिन झूठ हमेशा झूठ ही रहेगा। मतदाता सूची से सही लोगों को नहीं, बल्कि जिनका दो बार नाम था, सिर्फ उन्हीं का नाम हटाया गया है। मेरा नाम दो जगह था और एक जगह काटा गया? है।

अमेरिका में नई वीजा पॉलिसी और टैरिफ नियम छात्रों के लिए बन रहे चुनौती

-ट्रंप करते रहे मनमानी तो एशिया उच्च शिक्षा का नया वैश्विक केंद्र बन जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई वीजा पॉलिसी और टैरिफ नियमों ने भारतीय छात्रों के लिए चुनौती बन गए हैं। पहले अमेरिका उच्च शिक्षा का केंद्र माना जाता था, अब वहां पढ़ाई महंगी, जटिल और जोखिम भरी हो गई है। 4 जुलाई 2025 को ट्रंप ने वन बिग ब्यूटीफुल बिल के तहत अमेरिका में छात्र वीजा के लिए एफ, एम और जे श्रेणी के आवेदकों को 250 डॉलर यानी करीब 21,463 रुपए की वीजा इंटीग्रिटी फीस और 24 डॉलर यानी करीब 2,060 रुपए की आई-94 फॉर्म फीस देने का आदेश दिया है। इसके अलावा छात्रों से उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स की सार्वजनिक जानकारी मांगी जा रही है और उनकी गहन जांच की जा रही है। किसी भी प्रदर्शन या नियम उल्लंघन की स्थिति में वीजा रद्द होने का खतरा है।

नई पॉलिसी के मुताबिक छात्र वीजा की वैधता अब केवल 2 से 4 सालों तक सीमित की गई है। पहले छात्र अपनी पढ़ाई पूरी होने तक रुक सकते थे, लेकिन अब समयसीमा खत्म होने पर उन्हें एक्सटेंशन के लिए दोबारा प्रक्रिया से गुजरना होगा। वीजा इंटरव्यू की प्रतीक्षा भी अब लंबी हो गई है। चीन से आई रिपोर्ट्स बताती है कि वीजा इंटरव्यू की देरी से कई छात्र हतोत्साहित हैं और हांगकांग की यूनिवर्सिटीज में अमेरिकी ट्रांसफर रिक्वेस्ट की भरमार है।

ट्रंप प्रशासन का मकसद विदेशी छात्रों की संख्या कम करना है। कुछ छात्रों को राजनीतिक गतिविधियों के आरोप में वीजा रद्द कर देश छोड़ने को मजबूर किया गया है। कई मामलों में वीजा अपॉइंटमेंट्स अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह सख्ती अमेरिका के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। नेशनल एसोसिएशन फॉर फॉरेन स्टूडेंट्स अफेयर्स (एनएएफएसए) के मुताबिक इस फॉल सेमेस्टर में अमेरिका में विदेशी छात्रों की संख्या 30-40 फीसदी तक गिर सकती है, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को अनुमानित 7 बिलियन डॉलर यानी करीब 61,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। विदेशी छात्रों पर निर्भर कॉलेज संकट में हैं।

इस बदलाव का फायदा ब्रिटेन, हांगकांग, सिंगापुर, मलेशिया, यूएई और कजाकिस्तान जैसे देशों को मिल रहा है। ब्रिटेन अब भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका के बाद दूसरा पसंदीदा देश बन रहा है। यहां चीनी और अमेरिकी छात्रों की संख्या बढ़ रही है। खासकर बिजनेस और मैनेजमेंट कोर्सेज की मांग बढ़ी है। एशिया के देशों में वेस्टर्न यूनिवर्सिटीज के सैटेलाइट कैंपस स्थापित हैं, जहां फीस अपेक्षाकृत कम है। हांगकांग में विशेष ऑफर दिए जा रहे हैं कि यदि अमेरिका में वीजा नहीं मिलता, तो छात्र वहीं शिफ्ट हो सकते हैं।

दुबई में पिछले साल विदेशी छात्रों की संख्या 33फीसदी बढ़ी है। वहीं कजाकिस्तान में भी अमेरिकी यूनिवर्सिटीज के कार्यक्रम शुरू हो चुके हैं, जो खासकर चीनी और रूसी छात्रों को आकर्षित कर रहे हैं। अगर ट्रंप की नीतियां जारी रहीं, तो आने वाले सालों में एशिया उच्च शिक्षा का नया वैश्विक केंद्र बन जाएगा। भारतीय छात्रों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण समय जरूर है, लेकिन साथ ही नए अवसरों के द्वार भी खोल रहा है।

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं एलोवेरा जेल, त्वचा को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

दादी-नानी के जमाने से एलोवेरा जेल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। आइए एलोवेरा जेल लगाने के कुछ कमाल के स्किन बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद एलोवेरा जेल

क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है? अगर आप सही तरीके से एलोवेरा जेल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं, तो आप अपनी स्किन को फ्लॉलेस बना सकते हैं। हर रोज रात में सोने से पहले फेस वॉश कीजिए और फिर साफ चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाइए। महज कुछ ही हफ्तों के अंदर आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सुधारे चेहरे की रंगत

एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी त्वचा की डीप क्लीनिंग करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हर रोज एलोवेरा जेल यूज करने से त्वचा की रंगत काफी हद तक सुधर सकती है। अगर आप अपनी डल स्किन से छुटकारा पाना चाहते हैं और अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो हर रोज एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना शुरू कर दीजिए।

दूर हो जाएंगे दाग-धब्बे

क्या आपके चेहरे पर अक्सर दाग-धब्बे या फिर मुंहासे निकल आते हैं? अगर हां, तो आपको अपने स्किन केयर रूटीन में एलोवेरा जेल को जरूर शामिल करना चाहिए। औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा जेल दाग-धब्बे और मुंहासे की समस्या को दूर करने में असरदार साबित हो सकता है। इसके अलावा एलोवेरा जेल टैनिंग की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकता है।

त्वचा के लिए वरदान

रेगुलरली एलोवेरा जेल यूज करके झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम किया जा सकता है। जलन और खुजली जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए भी एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा जेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा के लिए वरदान साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि एलोवेरा जेल फ्रेश और केमिकल फ्री होना चाहिए।

दीवार और छत की काई हटाने का आसान तरीका, ये 4 घरेलू नुस्खे हैं फायदेमंद

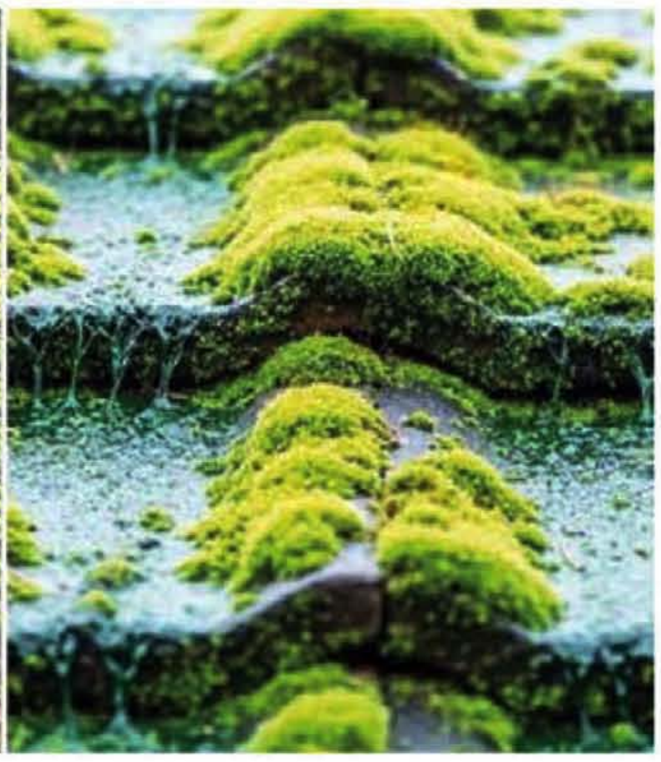

जब बारिश का मौसम आता है तो ठंडी हवा और हरियाली से हर कोई खुश हो जाता है। बारिश की वजह से वातावरण में सुकून और ताजगी भी महसूस होती है। लेकिन कुछ ही दिनों में यही बारिश कई तरह की परेशानियां लेकर आती है। उन परेशानियों में से एक बड़ी समस्या है घर की दीवारों और छतों पर काई लगना। हरे रंग की काई न केवल देखने में खराब लगती है, बल्कि दीवारों को नुकसान भी पहुंचाती है। इसके अलावा काई फिसलन भरी होती है, जिससे गिरने का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर लोग इस समस्या से निजात पाने के लिए नींबू और नमक का देसी नुस्खा इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कुछ और घरेलू उपाय हैं जिनकी मदद से आप घर की दीवारों और छतों की काई आसानी से साफ कर सकते हैं।

नींबू और नमक का देसी नुस्खा

नींबू और नमक का पेस्ट बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले एक कटोरे में नींबू का रस लें और उसमें नमक डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सीधे काई वाली जगह पर अच्छी तरह लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि नींबू का एसिड और नमक का खुरदुरापन काई को ढीला कर सके। अब एक कड़े ब्रश या स्क्रबर की मदद से अच्छी तरह रगड़कर काई को साफ करें। इसके बाद पानी से धो लें। यह तरीका बहुत प्रभावी होता है क्योंकि नींबू का एसिड और नमक मिलकर काई को हटाने में मदद करते हैं।

बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट

अगर आप कोई और तरीका अपनाना चाहते हैं तो बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट भी बहुत अच्छा काम करता है। इसके लिए बेकिंग सोडा और विनेगर को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। यह पेस्ट लगाने पर झाग बनेगा, जो सामान्य है। इसे काई वाली जगह पर 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक ब्रश की मदद से रगड़कर पानी से साफ कर लें। विनेगर में मौजूद एसिटिक एसिड और बेकिंग सोडा के क्षारीय गुण मिलकर काई को असरदार तरीके से हटाते हैं।

ब्लीच और पानी का घोल

ब्लीच काई और फंगस को मारने के लिए सबसे तेज़ और असरदार तरीका है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतनी बहुत जरूरी है। एक बाल्टी में 1 हिस्सा ब्लीच और 3-4 हिस्से पानी मिलाकर घोल तैयार करें। इसे स्प्रे की मदद से या ब्रश से काई वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। ध्यान रखें कि ब्लीच लगाते समय दस्ताने और मास्क जरूर पहनें ताकि आपकी त्वचा और सांस सुरक्षित रहे।

टी ट्री ऑयल और पानी का स्प्रे

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटी-फंगल है, जो हल्की काई के लिए बहुत कारगर है। इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी लें और उसमें 10-15 बूंदें टी ट्री ऑयल डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और फिर इस मिश्रण को काई वाली जगह पर छिड़क दें। छिड़काव के बाद इसे सूखने दें। इस प्रक्रिया में रगड़ने या धोने की जरूरत नहीं होती। टी ट्री ऑयल धीरे-धीरे काई को बढ़ने से रोकता है और खत्म भी कर देता है।

डिटर्जेंट और गर्म पानी

अगर काई मामूली हो तो डिटर्जेंट और गर्म पानी का घोल भी एक आसान और असरदार उपाय है। एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें कोई भी लॉन्ड्री डिटर्जेंट या डिशवॉश लिक्विड डालकर घोल बनाएं। इस घोल को काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश से लगाएं। 15-20 मिनट बाद ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। डिटर्जेंट गंदगी और चिकनाई को ढीला करने में मदद करता है, जिससे काई आसानी से हट जाती है।

सावधानियां और सुझाव

काई साफ करते समय हमेशा दस्ताने पहनें ताकि हाथों को नुकसान न पहुंचे।

ब्लीच या विनेगर जैसे तेज़ रसायनों का इस्तेमाल खुली हवा में करें।

अगर दीवारें बहुत ज्यादा खराब हो गई हैं तो पेशेवर मदद लेना बेहतर होता है।

नियमित सफाई से भी काई लगने से बचाव हो सकता है।

बारिश के मौसम में काई की समस्या को नजरअंदाज न करें। ऊपर बताए गए ये घरेलू नुस्खे आजमाकर आप अपने घर की दीवारों और छत को साफ और सुरक्षित रख सकते हैं। इससे आपका घर सुंदर दिखेगा और गिरने-फिसलने का खतरा भी कम होगा।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

एक साथ देती है कई फायदे, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं। सबसे खास बात, अलसी के बीजों से बना जेल बालों की कोशिकाओं को खोलकर उनके विकास को बढ़ावा देता है। आइए, जानते हैं इसके फ़ायदे और इसे बनाने का तरीका।

बालों के लिए अलसी के जेल के फ़ायदे

झड़ते बालों में फ़ायदेमंद : अलसी के बीज विटामिन ई का एक बड़ा स्रोत हैं, जो बालों के विकास में मदद करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को झड़ने से रोकते हैं और स्कैल्प को नुकसान से बचाते हैं।

बालों को पोषण देता है : अलसी ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। ये फैटी एसिड बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। सबसे पहले, ये फैटी एसिड बालों के रोमछिद्रों को पोषण देते हैं और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे बाल कम खराब होते हैं और स्वस्थ रहते हैं। पीएच स्तर को संतुलित रखता है : तेजी से बाल बढ़ाने के लिए स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित रखना बहुत ज़रूरी है। अलसी का जेल इसमें आपकी मदद कर सकता है और स्कैल्प को शांत करता है। यह तेल बनाने वाली ग्रंथियों को प्रभावित करता है, जिससे सही मात्रा में तेल बनता है और बाल स्वस्थ रहते हैं। इससे बाल तेज़ी से बढ़ने लगते हैं।

अलसी का जेल कैसे बनाएं?

बालों के लिए अलसी का यह जेल आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। बस इन बातों का ध्यान रखें। एक बर्तन में 2 कप साफ़ पानी और आधा कप अलसी के बीज डालकर, गाढ़ा होने तक उबालें। जब यह गाढ़ा होने लगे, तो 1-2 टेबलस्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब यह जेल जैसा दिखने लगे, तो आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर यह और गाढ़ा हो जाएगा। ठंडा होने के बाद, आप इस जेल को एक कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं। इस अलसी के हेयर जेल को बालों में लगाएं।

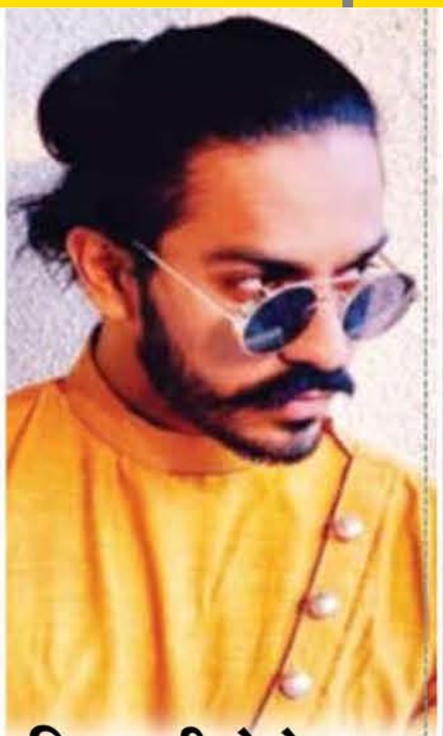

निशानची से डेब्यू करने जा रहे ऐश्वर्य ने ली बाबिल खान की जगह

बॉलीवुड में नए चेहरों का आना कोई नई बात नहीं, लेकिन अगर किसी की पहली फिल्म रिलीज भी न हुई हो और वो एक और बड़ी फिल्म साइन कर ले, तो जाहिर है कि वो चेहरा खास है। हालांकि अभी इसे लेकर सिर्फ एक बज बना हुआ है कि ऐश्वर्य ठाकरे, जो जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं उन्हें एक और बड़ी फिल्म मिल गई है। खास बात ये है कि वो फिल्म की इसलिए चर्चाओं में हैं क्योंकि उसमें पहले दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान को कास्ट किया गया था। जिस फिल्म के बारे में हम बात कर रहे हैं वो है तेलुगु सुपरहिट फिल्म 'बेबी' का हिंदी रीमेक। इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है कि इसमें अब बाबिल खान की जगह ऐश्वर्य ठाकरे को कास्ट कर लिया गया है।

बाबिल खान ने क्यों छोड़ी फिल्म?

फिल्म 'बेबी' के हिंदी रीमेक की घोषणा के समय खबरें थीं कि बाबिल खान इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उनके फैंस इस खबर से काफी उत्साहित थे। लेकिन अचानक यह खबर आई कि बाबिल अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इसके पीछे की वजह एक इमोशनल वायरल वीडियो को बताया गया, जिसमें बाबिल ने अपने संघर्ष और मानसिक स्थिति को लेकर बात की थी। इस वीडियो के बाद उनकी निर्देशक के साथ बातचीत बिगड़ गई और दोनों के बीच प्रोफेशनल असहमति की बात सामने आई।

एक्टिंग से ब्रेक पर हैं बाबिल?

बाबिल खान की अब तक की फिल्में जैसे काला और द रेलवे मैन में उन्हें सराहना जरूर मिली है, लेकिन वह अभी भी अपनी पहचान को पुख्ता करने की कोशिश में हैं। ऐसे में किसी चर्चित फिल्म से बाहर होना उनके करियर के लिए झटका माना जा सकता है। कुछ सूत्रों का कहना है कि बाबिल एक छोटे ब्रेक पर हैं और जल्द ही किसी नई फिल्म के साथ वापसी करेंगे।

प्यार, कानून और धोखा, द ट्रायल के सीजन 2 के साथ फिर लौटीं काजोल

काजोल एक बार फिर अपने पुराने रूप में वापसी कर रही हैं, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा सख्त और मजबूत इरादों के साथ। 'द ट्रायल' के पहले सीजन में जब उन्होंने नोयोनिका सेनगुप्ता की भूमिका निभाई थी, तो दर्शकों ने उनकी खूब तारीफ की थी। अब इस बेहद चर्चित कोर्टरूम ड्रामा का सीजन 2 तैयार है और काजोल उसी किरदार में लौट रही हैं, जिसने उनके ओटीटी करियर को शानदार दिशा दी थी।

काजोल ने अनोखे ढंग से किया ऐलान

हाल ही में जब ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार ने सीजन 2 की घोषणा की, तो उसका तरीका भी बेहद खास था। वीडियो में काजोल गुस्से में नजर आती हैं और कहती हैं कि मैं तो लगातार काम कर रही हूं, फिर कितनी बार कमबैक करूंगी? लेकिन जब उन्हें क्यू कार्ड पलटने को कहा जाता है, तो उस पर लिखा होता है — मैं एक बार फिर द ट्रायल सीजन 2 के साथ लौट रही हूं। अभिनेत्री के इस वीडियो को देखने के बाद दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। खासकर जब इस सीजन की टैगलाइन सामने आई और वो है प्यार, कानून और धोखा। इससे साफ हो गया कि इस बार कहानी और भी गहरी और टकराव और भी तीखा होने वाला है।

'द ट्रायल सीजन 2' को 19 सितंबर 2025 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। लेकिन सूत्रों की मानें तो इस बार नोयोनिका का किरदार और भी ग्रे और रियलिस्टिक होगा। जहां पहले वो अपने परिवार के लिए मजबूरी में कोर्ट लौटी थीं, वहीं अब वो एक पेशेवर और महिला के तौर पर खुद के लिए न्याय चाहती हैं। कहानी में इस बार सिर्फ रिश्तों की नहीं, बल्कि खुद से जंग की भी परतें खुलने वाली हैं।

दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 की रिलीज पर वाणी कपूर ने रखी राय

पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान के साथ वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल इस साल पहलगाम हमले की वजह से रिलीज नहीं हो सकी। इस मामले के बाद दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3, जिसमें पाकिस्तानी कलाकार हानिया आमिर भी हैं को विदेशों में रिलीज किया गया। फिल्म की रिलीज पर काफी हंगामा हुआ। इसके बहिष्कार की मांग की गई। हाल ही में एक बातचीत में वाणी कपूर ने सरदार जी 3 का बचाव किया है। वाणी कपूर ने कहा मुझे याद है कि यह फिल्म पहलगाम हमले से पहले शूट की गई थी। ऐसे में मुझे लगता है कि अगर फिल्म रिलीज नहीं होगी तो निर्माता के पैसे फंस जाएंगे। मुझे लगता है कि इस फिल्म को बनाने में 100 से ज्यादा लोग लगे थे। जब फिल्म की शूटिंग हो रही थी तब हालात दूसरे थे।

दिलजीत वैश्विक स्टार हैं वाणी कपूर ने आगे कहा मुझे नहीं लगता कि उनका मकसद देश की बेहुरमती करना था। वह एक वैश्विक स्टार हैं। उन्हें विश्व स्तर पर देखा जाता है। उन्हें जो ठीक लगा उन्होंने वैसा काम किया। मुझे लगता है कि इससे कोई भी कानून नहीं टूटा है।

मुश्किलों में फंसी थी अबीर गुलाल

आपको बता दें कि इसी साल अप्रैल में फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल मुश्किलों में फंस गई थी। इस फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान ने अभिनय किया था। यह फिल्म कश्मीर के पहलगाम में हमले के बाद विवादों में आई थी। लोगों का कहना था कि इस फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार ने काम किया है और पाकिस्तानी आतंकियों ने ही पहलगाम में हमले को अंजाम दिया था। पाकिस्तानी हमले में कई पर्यटक मारे गए थे।

अमृता प्रीतम की बायोपिक करना सम्मान की बात होगी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता बीते 31 साल से हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं। इसके अलावा वो पंजाबी, उर्दू, तमिल, मलयालम और अंग्रेजी सिनेमा में भी काम कर चुकी हैं। अब दिव्या फिल्म 'माया सभा' से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। बातचीत में उन्होंने अपने किरदार, इंडस्ट्री के अनुभव और फिल्मी सफर के बारे में बात की। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

तेलुगु में डेब्यू करने के लिए फिल्म 'माया सभा' को ही क्यों चुना?

मुझे लगा कि शुरुआत करने के लिए ऐसा प्रोजेक्ट होना चाहिए, जिसमें वजन हो। यह एक पॉलिटिकल ड्रामा है, पीरियड सेटअप में बनी हुई एक फिक्शनल स्टोरी है। हर किरदार की अपनी अहमियत है और मेरा किरदार भी बहुत खास है। ऐसा किरदार, जो बिना शोर मचाए खेल पलट सकता है।

वो समय कब आया, जब आपने तय किया कि अब सिर्फ वही काम करेंगे, जो दिल कहे?

आजा नचले के बाद मैंने एक साथ कई फिल्में साइन कर ली थीं। तभी आदित्य चोपड़ा से बात हुई। उन्होंने कहा, तुम बहुत अच्छी एक्टर हो, मशीन मत बनो। वो बात दिल को छू गई। मैंने खुद से सवाल किया.. क्या मैं सिर्फ डेट्स भर रही हूं या कहानियां जी रही हूं? उसके बाद मैंने कई फिल्में छोड़ीं और फिर दिल्ली-6 जैसी फिल्में आईं, जो मुझे बहुत करीब लगीं।

क्या कभी इंडस्ट्री में हीरोइन टाइप लुक का दवाब महसूस किया?

नहीं, कभी ऐसा नहीं लगा। करियर की शुरुआत में हीरो के साथ गाने भी किए हैं, रोमांस भी किया है, लेकिन फिर मुझे ट्रेन टू पाकिस्तान जैसी फिल्में मिलीं और श्याम बेनेगल जैसे निर्देशकों के साथ काम मिला। मैंने खुद वो रास्ता चुना जो अलग था और मुझे अच्छा भी लगा। मुझे हमेशा अलग कहानियां ही पसंद आई हैं।

अगर किसी की बायोपिक करनी हो तो किसे चुनेंगी?

अमृता प्रीतम। उनकी लेखनी, उनकी भावनाएं और उनकी बेबाकी ने मुझे हमेशा गहराई से प्रभावित किया है। वो सिर्फ कवयित्री नहीं थीं, वो एक सोच थीं, एक क्रांति थीं। उनका किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

ऐश्वर्या से तलाक के बाद मृणाल ठाकुर को डेट कर रहे हैं धनुष?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा रहा है, जिसमें धनुष एक पार्टी में मृणाल ठाकुर का हाथ थामे बातों में मशगूल हैं। वीडियो को देख उनके अफेयर की चर्चा शुरू हो गई है। धनुष का 2024 में ही पत्नी से तलाक हुआ। एक्टर धनुष का पत्नी ऐश्वर्या रजनीकांत से अप्रैल 2024 में तलाक हो गया था। हालांकि, कुछ महीने पहले दोनों बड़े बेटे यत्र के स्कूल की ग्रेजुएशन सेरिमनी में साथ दिखे थे। धनुष और ऐश्वर्या अपनी-अपनी जिंदगी में बिजी हैं, पर बच्चों के लिए साथ आ जाते हैं। इसी बीच खबरें हैं कि धनुष एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर को डेट कर रहे हैं। दोनों को कई इवेंट्स में साथ में स्पॉट किया गया, जिसके बाद उनकी डेटिंग की अफवाहें शुरू हो गईं। एक्टर धनुष हाल ही मृणाल ठाकुर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए थे, और अब उस पार्टी का अंदर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें धनुष ने मृणाल ठाकुर का हाथ पकड़ा हुआ है और बात कर रहे हैं। इसी वीडियो को देख फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

धनुष की फिल्म की पार्टी में नजर आई थीं मृणाल ठाकुर

इससे पहले 3 जुलाई को मृणाल ठाकुर, धनुष की फिल्म तेरे इश्क में की पार्टी में नजर आई थीं, जिसे राइटर और प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लन ने रखा था। कनिका ने बाद में कुछ तस्वीरें शेयर की की थीं, जिनमें वह, मृणाल ठाकुर और धनुष साथ में पोज देते नजर आए थे। हालांकि, अभी तक धनुष या मृणाल ठाकुर, दोनों में से किसी ने भी अफेयर की खबरों पर रिएक्ट नहीं किया है।

मृणाल ठाकुर का इन एक्टर्स संग जुड़ा नाम, धनुष का हो चुका तलाक

जहां मृणाल ठाकुर अनमैरिड और सिंगल हैं, पर उनका नाम कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया। इनमें बादशाह से लेकर सिद्धांत चतुर्वेदी, कुशाल टंडन, अर्जित तनेजा और शरद त्रिपाठी का नाम शामिल है। वहीं धनुष ने रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या से शादी की थी। लेकिन 18 साल की शादी के बाद धनुष और ऐश्वर्या ने साल 2022 में अलग होने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद अप्रैल 2024 में धनुष और ऐश्वर्या का तलाक हो गया था।

अपनी एक्टिंग जर्नी पर बोले संग्राम

हाल ही में रेसलर संग्राम सिंह ने अमर उजाला डिजिटल से अपनी पर्सनल, प्रोफेशनल जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। आखिर रेसलिंग से उनका फिल्मी और टीवी की दुनिया की तरफ कैसे आना हुआ? वह रेसलिंग से जुड़ी एक फिल्म का हिस्सा बने थे, उसका आखिर क्या हुआ? अपने करियर से जुड़ी और भी कई बातें संग्राम सिंह ने साझा की हैं।

संग्राम सिंह टीवी की दुनिया में शामिल होने के अपने शुरुआती दिनों के बारे में बताते हैं। वह कहते हैं, 'मैं रेसलिंग से होते हुए टीवी और फिल्मों की दुनिया में आया। शुरुआत में लोग मुझे सिर्फ मजाक उड़ाने वाला लड़का मानते थे। लेकिन धीरे-धीरे जब मेरा काम दिखने लगा तो वही लोग सराहने लगे। मैं उस वक्त साउथ अफ्रीका से प्रो रेसलिंग की ट्रेनिंग लेकर लौटा। कुछ वक्त के बाद 'बिग बॉस' रियलिटी शो में पहुंचा, जहां देश के नामी लोग थे। उस मंच पर सलमान खान ने मेरे स्ट्रगल का जिक्र किया, वो मोमेंट मेरे लिए एक टर्निंग प्वाइंट था।'

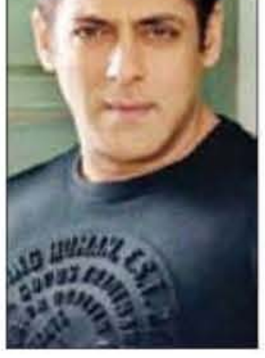

मैं सिर्फ सच्चाई के साथ खड़ा होता हूं

संग्राम सिंह ने कुछ वक्त में ही अपने लिए टीवी की दुनिया में पहचान बना ली थी, इसकी वजह उनकी सच्चाई थी। वह कहते हैं, 'सर्वाइवर शो में जब लोगों से पूछा गया कि लीडर कौन हो सकता है? तो सबने मेरा नाम लिया। मैं कभी भेदभाव नहीं करता हूं। हमेशा सच्चाई के साथ खड़ा रहता हूं। उसी शो में पायल से मुलाकात हुई, जिसने मेरे स्ट्रगल के पीछे की सच्चाई को पहचाना।'

फिल्म नहीं बनी लेकिन मेरा भरोसा बना रहा

संग्राम सिंह ने रियलिटी शो के बाद एक फिल्म पर काम करना शुरू किया, जो बन नहीं सकी। इस अनुभव पर वह कहते हैं, 'मेरी जिंदगी में श्याम बाबू एक मिरकल की तरह आए। कोई जान-पहचान वाला था, जिसने कहा कि एक फिल्म बन रही है। इंडिया के पहले रेसलर पर और तुम्हें बात करनी चाहिए। मुझे उस वक्त तक कुछ भी अंदाजा नहीं था, न सिनेमा के मायने, न कैमरे के सामने खड़े होने की समझ। मैं उस फिल्म के लिए इंडिया का पहला ब्रांड एंबेसडर और स्पीकर बना। फैमिली वेलफेयर से लेकर एंटरटेनमेंट तक की बात उस एक मीटिंग में हुई। लेकिन श्याम बाबू ने मुझसे एक वादा लिया कि मैं अगले कुछ साल सिर्फ इस प्रोजेक्ट पर फोकस करूंगा और कोई दूसरा काम नहीं करूंगा। मैंने हां कर दिया और वहीं से एक नई शुरुआत हुई।

तीन साल की मेहनत, सेविंग्स, उम्मीद...सब खत्म हो गया

संग्राम सिंह आगे बताते हैं, 'नितिन देसाई जी प्रोजेक्ट से जुड़ गए, एक बड़ी टीम तैयार होने लगी, फिल्म अनाउंस हो गई, नाम आने लगे, न्यूज में मेरी चर्चा होने लगी। लेकिन फिर किसी कारण से वो फिल्म रुक गई। कोई और होता तो टूट जाता, लेकिन मेरे पास टूटने का विकल्प कभी था ही नहीं। तीन साल तक कोई कमाई नहीं हुई। मैं हर रोज अपनी सेविंग्स से ही जिंदगी चला रहा था और खाली समय में मराठी, अभिनय और टेक्निकल चीजें सीखनी शुरू कर दीं। मुझे यह तक नहीं पता था कि कैमरे की लाइट कैसी होती है या डायलॉग कैसे बोलते हैं। लेकिन मैं सीखने में लगा, क्योंकि मुझे खुद पर भरोसा था। तीन साल की मेहनत, सेविंग्स, उम्मीद...सब खत्म हो गया था। लेकिन मैंने हिम्मत नहीं छोड़ी।

सिर्फ वो फिल्म करता हूं जो आत्मा से जुड़ती है

आगे भी संग्राम सिंह को फिल्म ऑफर होती हैं, उन्हें किस आधार पर सेलेक्ट करते हैं? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'जब फिल्म नहीं बनी तो मैंने एक गाना किया। आगे भी प्रोजेक्ट्स आए, फिर रुके, फिर लौटे। एक फिल्म करने वाले थे, सुपरस्टार के साथ कुश्ती का सीन था। मैंने मना कर दिया क्योंकि अब मैं समझ चुका था कि सिनेमा सिर्फ शोहरत नहीं है, जिम्मेदारी है। कुछ लोग तो आए जिन्होंने 30-50 लाख देने की बात कही। लेकिन मैं सोचता था, अगर कहानी में जान नहीं है, तो पैसा किस काम का? मैं वो फिल्में करना चाहता था जो जिंदगी बदलें, कम से कम किसी एक की।' अब जब लोग स्क्रिप्ट लाते हैं, तो मैं सबसे पहले ये सोचता हूं कि क्या मैं इस कहानी में अपना सच देखता हूं? क्या ये मेरी आत्मा से मेल खाती है? अगर हां, तो मैं सब कुछ छोड़कर वो करता हूं। वरना मैं गर्मियों में उन लोगों को पानी पिलाता हूं, सर्दियों में रस और चुपचाप अलविदा कह देता हूं।'

भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा, उमड़े कार्यकर्ता

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर ने जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में आठों मंडलों में मंडल अध्यक्षों ने भव्यता से तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया। कृष्णा नगर मंडल में मामूरा चौराहे से बिजली घर सेक्टर 66 तक, शहीद भगत सिंह मंडल में भंगेल पुलिस चौकी से सेक्टर 93 गेझा चौक तक, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल में द मिलेनियम सेक्टर 119 से डीपीएस सेक्टर 122 तक, अटल बिहारी वाजपेई मंडल में थाना सेक्टर 49 से हनुमान मूर्ति बरौला तक, महाराणा प्रताप मंडल में सीएनजी पंप गिझोड़ से मानस हॉस्पिटल सेक्टर 34 तक, सरस्वती शिशु मंदिर मंडल में एच ब्लॉक मार्केट से सब्जी मंडी सेक्टर 12 तक, सैनिक विहार मंडल में स्टेलर ग्रीन पार्क से सदरपुर तक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल में सब माल से विनायक हॉस्पिटल तक भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया।

महाराणा प्रताप मंडल की तिरंगा यात्रा में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया की विशेष उपस्थिति रही। समापन पर सतेंद्र सिसोदिया और महेश चौहान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। तिरंगा यात्रा के संयोजक महेश अवाना थे। यात्रा में आए कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों को महेश चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दी, ताकि हम स्वतंत्र भारत में सांस ले सकें। तिरंगा यात्रा उनके त्याग, बलिदान और साहस का प्रतीक है।

यात्राओं में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, मदन चौहान, पूर्व विधायिका विमला बाथम, पूर्व अध्यक्ष बिजेंदर नागर, राकेश शर्मा तथा योगेंद्र चौधरी, विनोद त्यागी, चंदगी राम यादव,अमित त्यागी,महेश अवाना, मंडल अध्यक्ष दीनबंधु, गणेश जाटव,डिंपल आनंद, विनोद शर्मा, प्रदीप चौहान,नीरज चौधरी,शशिधर उपाध्याय, गौतम शर्मा,मनीष तिवारी, सत्यनारायण महावार, रामकिशन यादव, रामनिवास यादव, राजकुमार झा, अर्पित मिश्रा, रविकांत मिश्रा,मनोज चौहान, भूपेश चौधरी,राहुल शर्मा,देवेंद्र भदौरिया इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लांयस क्लब ने असहाय वृद्ध को व्हील चेयर भेंट की

नोएडा (चेतना मंच)। लायंस क्लब नोएडा की ओर से एक व्हीलचेयर गोविंदपुरी निवासी प्रीतम सिंह को भेंट की गई। व्हीलचेयर के लिए गोविंदपुरी से एक वृद्ध असहाय व्यक्ति के लिए वाट्सअप पर अपील की गई थी। ईशान स्कूल के संस्थापक आर एन श्रीवास्तव एवं जय श्री श्रीवास्तव द्वारा अन्य लायंस सदस्यों के साथ व्हीलचेयर गोविंदपुरी, कालकाजी जाकर पीड़ित व्यक्ति को भेंट की गई। यह व्हीलचेयर लायंस क्लब नोएडा के तत्वाधान में दिनांक 10 अगस्त को दिल्ली जाकर दी गई। कार्यक्रम में श्रीमती अरुणा बंसल, अध्यक्ष, जयश्री श्रीवास्तव सचिव, बिपिन बंसल सिंह, आर एन श्रीवास्तव तथा सुश्री रेखा जी उपस्थित रहीं।

'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़कर लें सेल्फी और अपलोड करें

● आज तिरंगा महोत्सव का आयोजन ● तिरंगा मेला और म्यूजिकल कंसर्ट बांधेगा समा

नोएडा (चेतना मंच)। आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष में जनपद में तीन चरणों में आयोजित हो रहे 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' के तहत दूसरे चरण में आज (12 अगस्त 2025) को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में जनपद स्तरीय तिरंगा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक ही दिन वृहद तिरंगा मेला और भव्य तिरंगा म्यूजिकल कंसर्ट आयोजित होगा।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने आयोजित होने वाले तिरंगा महोत्सव कार्यक्रम को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि यह उत्तर प्रदेश शासन के महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों में शामिल है और इसको अधिक से अधिक जन भागीदारी, जनप्रतिनिधि गणों, विशिष्ट व्यक्तियों एवं खिलाड़ियों की उपस्थिति में संपन्न कराया जाना है।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि 'तिरंगा महोत्सव कार्यक्रम' की तैयारियों को लेकर अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपनी सभी तैयारियां को समय रहते अंतिम रूप प्रदान करें। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी को निर्देशित किया कि तिरंगा महोत्सव के दौरान स्वयं सहायता

समूह द्वारा निर्मित उत्पादों, स्थानीय उत्पादों (ODOP), तिरंगा रंग की थीम वाली वस्तुओं (खाद्य सामग्री/परिधान, वस्त्र, श्रृंगार सामग्री आदि) की बिक्री पर केंद्रित तिरंगा मेले का भी आयोजन व तिरंगा मेले में तिरंगा प्रदर्शनी का भी प्रदर्शन किया जाना है, इसको लेकर आप अपनी सभी तैयारियां समय रहते सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी/समस्त अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि तिरंगा महोत्सव के दौरान तिरंगा रैलियों का भी आयोजन किया जाना है, यह आयोजन सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों, ब्लाकों और पंचायत में आयोजित किए जाएंगे, जिसमें स्कूली बच्चों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि इस अवसर पर सेल्फी अपलोड करने के लिए 'हर घर तिरंगा' सेल्फी बूथो को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए और आमजन को प्रेरित करें कि सेल्फी लेकर वेबसाइट www.harghartiranga.com अपलोड करें।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को आगामी 14 अगस्त 2025 को मनाए जाने वाले 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत 13 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक तीसरे चरण में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवाकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक भैरपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, प्रभागीय वन अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, उपनिदेशक कृषि राजीव कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी तरुण वर्मा तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा में पंचशील प्रतिष्ठा एओए पर 10 लाख का जुर्माना

अट्टा में 100 किलो पॉलीथिन किए जब्त

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की टीम ने सोमवार को पंचशील प्रतिष्ठा

अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन सेक्टर-75 का निरीक्षण किया। यहां निकलने वाले बल्क वेस्ट को सही तरीके से निपटारा नहीं किया जा रहा था। ऐसे में प्राधिकरण की टीम ने सोसाइटी के एओए पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। प्राधिकरण अधिकारी इंदू प्रकाश ने बताया कि एओए द्वारा बल्क वेस्ट जनरेटर कूड़े को सेग्रीगेट नहीं कर रहे थे। भंडारण और निपटारा करने में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नियमों का अनुपालन नहीं कर रहे थे।

निरीक्षण के दौरान मिला कि कचरे का पृथक्कीकरण नहीं किया जा रहा है। सूखा, गीला और

बागवानी सभी प्रकार का कचरा मिक्स करके टावर-8 के बेसमेंट में जमा किया जा रहा है। कचरा अनाधिकृत कबाड़ियों को दिया जा रहा है, जो कचरे को सड़क पर फेंक रहे है गंदा पानी जमा हो रहा है, जिसमें मच्छरों का प्रजनन हो रहा है जो वहां के निवासियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा बन रहा है।

इसके बाद टीम ने ग्राम अट्टा में एंटी प्लास्टिक ड्राइव चलाई। जिसमें सभी लोगों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक इस्तेमाल न करने के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों मैसर्स वीके ट्रेडर्स, मैसर्स प्रेम डिस्पोजल एवं अन्य दुकानदारों से कुल 100 किग्रा प्लास्टिक जब्त की गयी। साथ ही साथ समस्त दुकानदारों को चेतावनी दी गयी कि नोएडा क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर आर्थिक दंड का प्रावधान है।

उत्तर प्रदेश में 115 राजनैतिक दलों की मान्यता रदद

देश में हैं 6 राष्ट्रीय और 67 क्षेत्रीय दल

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में भारत निर्वाचन आयोग ने 115 राजनैतिक दलों की मान्यता रदद कर दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को अपनी सूची से हटा दिया है। ये दल मानदंडों का पालन नहीं कर रहे थे। चुनावी व्यवस्था को साफ-सुथरा बनाने के लिए यह कार्रवाई की गई। अब 2,854 में से 2,520 आरयूपीपी रह गए हैं। वर्तमान में देश में 6 राष्ट्रीय दल और 67 क्षेत्रीय दल पंजीकृत हैं। आयोग ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की है।

भारत निर्वाचन आयोग ने जून में 345 आरयूपीपी के लिए सत्यापन जांच के निर्देश दिए थे। दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि कोई पार्टी लगातार 6 वर्षों तक चुनाव नहीं लड़ती है, तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाता है। आरपी अधिनियम, 1951 के तहत, पार्टियों को पंजीकरण के समय अपने विवरण (नाम, पता,

पदाधिकारी) देने होते हैं और किसी भी बदलाव की जानकारी आयोग को तुरंत देनी होती है। जांच में 345 में से 334 आरयूपीपी इन शर्तों का उल्लंघन करते पाए गए। इन्हें अब आरपी अधिनियम, 1951 की धारा 29'बी' और 29'सी' के तहत अब कोई भी लाभ नहीं मिलेगा। इसमें आयकर अधिनियम के तहत मिलने वाले लाभ व चुनाव चिह्न (आरक्षण व आवंटन) आदेश, 1968 के तहत मिलने वाली सुविधाएं शामिल हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने 9 अगस्त 2025 को किये आदेश में वर्ष 2019 से लगातार 6 वर्षों तक विधानसभा एवं लोकसभा का कोई भी चुनाव न लड़ने वाले और उत्तर प्रदेश में स्थित अपने पंजीकृत पते पर वजूद न रखने वाले 115 राजनीतिक दलों को भारत निर्वाचन आयोग ने पंजीकृत राजनीतिक दलों की सूची से बाहर किया है, जिसमें जनपद गौतम बुद्ध नगर की हिंदुस्तान क्रांतिकारी दल, जन क्रांति समाज पार्टी, मदर इंडिया पार्टी, पश्चिम उत्तर प्रदेश विकास पार्टी, राष्ट्रीय मजदूर किसान पार्टी भी शामिल है। सूची से बाहर निकाले गए उत्तर प्रदेश के 115 राजनीतिक दल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29 बी एवं धारा 29 सी के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 के सुसंगत प्राविधानों एवं चुनाव चिन्ह (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश 1968 के अंतर्गत राजनीतिक दलों को मिलने वाले किसी भी लाभ को प्राप्त करने के हकदार नहीं रहेंगे। राजनीतिक दलों को सूची से बाहर करने के भारत निर्वाचन आयोग के आदेश से क्षुब्ध कोई भी पक्ष आदेश की तिथि से 30 दिनों के भीतर आयोग को अपील कर सकता है।